वर्ष : 34 | अंक : 367 | मुंबई, सोमवार, 16 मार्च 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

तमिलनाडु में 23 अप्रैल को चुनाव

तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों के लिए 23 अप्रैल को एक चरण में मतदान होगा। यहां बहुमत का आंकड़ा 118 है। राज्य की राजनीति लंबे समय से डीएमके और एआईएडीएमके के बीच केंद्रित रही है। फिलहाल राज्य में एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके की सरकार है, जो 2021 के चुनाव के बाद सत्ता में आई थी।

पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान

पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच माना जा रहा है। फिलहाल यहां ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी की सरकार है।

कई राज्यों में उपचुनाव भी

चुनाव कार्यक्रम के साथ ही कई राज्यों में उपचुनाव भी कराए जाएंगे। गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा में 9 अप्रैल को उपचुनाव होंगे, जबकि महाराष्ट्र और गुजरात में 23 अप्रैल को विधानसभा सीटों पर उपचुनाव कराए जाएंगे।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का ऐलान

- बंगाल में दो चरण में डाले जाएंगे वोट
- चार राज्यों में एक चरण में मतदान
- 20 दिन में 17.4 करोड़ मतदाता चुनेंगे 824 विधायक

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा कर दी है। चुनाव प्रक्रिया 9 अप्रैल से शुरू होकर 29 अप्रैल तक चलेगी, जबकि सभी राज्यों में मतगणना 4 मई को एक साथ होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि इन पांच राज्यों में कुल 17.4 करोड़ मतदाता 824 विधानसभा सीटों के लिए मतदान करेंगे। चुनाव की पहली तारीख 9 अप्रैल और अंतिम चरण 29 अप्रैल को होगा। इस तरह करीब 20 दिनों में पांच राज्यों की राजनीतिक तस्वीर मतपेटियों में तय हो जाएगी।

असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान

असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव 9 अप्रैल को एक ही चरण में संपन्न होंगे। असम की 126 सीटों पर मतदान होगा, जहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। राज्य में फिलहाल भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार है और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में एनडीए चुनाव मैदान में उतरेगा। केरल में 140 विधानसभा सीटें हैं और बहुमत का आंकड़ा 71 है। यहां मुख्य मुकाबला लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के बीच माना जा रहा है। पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों पर भी 9 अप्रैल को मतदान कराया जाएगा। यहां बहुमत का आंकड़ा 16 है और वर्तमान में एन. रंगास्वामी के नेतृत्व में ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस-भाजपा गठबंधन की सरकार है।

क्यों खास है इस बार का चुनाव

इस बार का चुनाव कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चुनाव आयोग के अनुसार 17.4 करोड़ मतदाताओं की संख्या ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और कनाडा जैसे देशों की कुल आबादी के बराबर है। इसके अलावा 20 से अधिक देशों के चुनाव आयोगों के प्रतिनिधि भारत आकर चुनाव प्रक्रिया का अवलोकन करेंगे। विशेष बात यह भी है कि पश्चिम बंगाल में लगभग तीन दशक बाद केवल दो चरणों में मतदान कराया जा रहा है, जबकि पहले यहां कई बार सात से आठ चरणों में चुनाव कराए गए थे। चुनाव आयोग ने स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है और सभी राज्यों में चुनाव तैयारियों की समीक्षा पूरी कर ली गई है।

भारत विश्वगुरु बनने का मौका चूक गया : अखिलेश

- अखिलेश का बंगाल चुनाव में भाजपा की हार का दावा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अखिलेश यादव ने पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध जैसे हालात, देश में एलपीजी गैस की किल्लत और आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। मुंबई में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि इजराइल, ईरान और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव का असर अब भारत में भी दिखाई देने लगा है और कई जगह एलपीजी सिलेंडरों की कमी की शिकायतें सामने आ रही हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय संकट के समय भारत के पास दुनिया को शांति का संदेश देने और "विश्वगुरु" के रूप में अपनी भूमिका निभाने का बड़ा अवसर था, लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास हमेशा युद्ध के खिलाफ और शांति के पक्ष में रहा है, इसलिए ऐसे समय में भारत को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार पर असर पड़ा है।

बंगाल चुनाव को लेकर भाजपा पर निशाना

अखिलेश यादव ने आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर भी भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ेगा और ममता बनर्जी एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगी।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि अगर असम में सीट नहीं भी मिलती है तो भी समाजवादी पार्टी गठबंधन के उम्मीदवारों के समर्थन में चुनाव प्रचार करेगी।

चुनाव आयोग से निष्पक्ष चुनाव की अपील

अखिलेश यादव ने भारत निर्वाचन आयोग से अपील की कि वह चुनावों को पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए और किसी भी तरह के दबाव से दूर रहे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग राजनीतिक रूप से जागरूक हैं और वे केंद्र सरकार के भेदभाव या कुप्रबंधन को नहीं भूलेंगे।

UAE में फर्जी वीडियो फैलाने पर बड़ी कार्रवाई

अबू धाबी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच यूएई सरकार ने सोशल मीडिया पर भ्रामक और फर्जी वीडियो फैलाने के आरोप में 35 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 19 भारतीय नागरिक शामिल हैं। कार्रवाई का उद्देश्य देश में अफरा-तफरी और सुरक्षा पर असर डालने वाली गलत सूचनाओं को रोकना बताया गया है।

पहला समूह (10 लोग): असली वीडियो क्लिप में कमेंट और साउंड जोड़कर देश पर हमला होने का भ्रम फैलाया। इसमें 5 भारतीय, 1 पाकिस्तानी, 1 नेपाली, 2 फिलिपीनी और 1 मिस्री शामिल।दूसरा समूह (7 लोग): AI वीडियो और दूसरे देशों के वीडियो को यूएई का बताकर फैलाया। इसमें 5 भारतीय, 1 नेपाली और 1 बांग्लादेशी थे।तीसरा समूह (6 लोग): विदेशी सैन्य कार्रवाइयों और नेताओं की तारीफ करते हुए पोस्ट और वीडियो शेयर किए। इसमें 5 भारतीय और 1 पाकिस्तानी शामिल।

9/11 जैसा हमला कर ईरान को फंसाने की साजिश : अली लारीजानी

एजेंसी । तेहरान

अली लारीजानी ने दावा किया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में सितम्बर 11 अटैक जैसी घटना कराकर उसका आरोप ईरान पर लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जेफ्री एपस्टीन के नेटवर्क से जुड़े कुछ लोग ऐसी साजिश रच सकते हैं। हालांकि इन दावों की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और इन्हें सोशल मीडिया पर चल रही थ्योरी माना जा रहा है। लारीजानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि कुछ लोग 9/11 जैसी घटना करवाकर इसके लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराने की योजना बना सकते हैं।

सोशल मीडिया पर अफवाहें

सोशल मीडिया पर यह दावा भी किया जा रहा है कि कैलिफोर्निया के लॉस एंजेलिस स्थित U.S. Bank Tower को निशाना बनाकर 9/11 जैसा दूसरा हमला किया जा सकता है। कुछ पोस्ट में कहा गया है कि इमारत के मालिक लैरी सिल्वरस्टीन इस साजिश में शामिल हो सकते हैं। हालांकि इस दावे की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ईरानी अधिकारी चेतावनी दे रहे हैं कि अगर अमेरिका में कोई बड़ा आतंकी हमला होता है और उसका आरोप ईरान पर लगाया जाता है!

ब्रीफ न्यूज़

नेतन्याहू जिंदा, कॉफी पीते नजर आए – अफवाहों का वीडियो ने किया खंडन

तेल अवीव। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का नया वीडियो सामने आया है, जिसमें वह एक शॉप में कॉफी पीते हुए सहज और सुरक्षित दिख रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर उनके निधन की फैल रही झूठी खबरों के बीच सामने आया है। वीडियो में नेतन्याहू हंसते हुए कहते हैं, ₹लोग कह रहे हैं कि बीबी (मेरे) मर गया है। क्या आप भी यही पूछ रहे हैं? और फिर अपने दोनों हाथों को दिखाते हुए मजाकिया अंदाज में कहते हैं, ₹लोग मेरी उंगलियां भी गिन सकते हैं।

'कोई टीम संगठन से बड़ी नहीं', जय शाह ने वर्ल्ड कप विवादों पर दी सफाई

नई दिल्ली। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने हाल ही में खत्म हुए आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप को लेकर कहा कि कोई भी टीम संगठन से बड़ी नहीं होती। मुंबई में आयोजित अवॉर्ड समारोह में शाह ने टूर्नामेंट से जुड़े विवादों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों पर भी खुलकर बात की। शाह ने कहा कि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले कई तरह की चर्चाएं और अनिश्चितताएं थीं। उन्होंने बिना किसी देश का नाम लिए स्पष्ट किया कि वैश्विक क्रिकेट संगठन किसी एक टीम से बड़ा होता है।

निर्वाचन आयोग के फैसले पर विपक्ष हमलावर

- निष्पक्षता और EVM पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली । विधानसभा चुनावों की तारीखों के ऐलान के साथ ही विपक्षी दलों ने निर्वाचन आयोग (EC) की कार्यप्रणाली और निष्पक्षता को लेकर मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने तीखा हमला करते हुए आदर्श आचार संहिता (MCC) को ₹मोदी कोड ऑफ कैंपेनिंग₹ करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग की सक्रियता केवल विपक्ष के खिलाफ दिखती है, जबकि सत्तापक्ष को खुली छूट दी जा रही है। वहीं, कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि वे इन चुनावों का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे, लेकिन आयोग को अपनी धूमिल होती छवि सुधारने के लिए जमीनी स्तर पर निष्पक्षता दिखानी होगी।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग द्वारा चरणों की संख्या घटाने पर मिली-जुली प्रतिक्रिया दी है। TMC नेता फिरहाद हकीम ने कहा कि चुनाव आते-जाते रहते हैं, लेकिन उनकी पार्टी साल के 365 दिन जनता के बीच रहती है। हालांकि, पार्टी के अन्य नेताओं ने दबे स्वर में यह भी कहा कि चरणों का निर्धारण अक्सर सत्तारूढ़ भाजपा की सुविधा को ध्यान में रखकर किया जाता

है। TMC ने स्पष्ट किया कि बंगाल की जनता बाहरी ताकतों को करारा जवाब देने के लिए तैयार है। राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा ने निर्वाचन आयोग को नसीहत देते हुए कहा कि उन्हें अपने पूर्ववर्तियों के गौरवशाली इतिहास को याद करना चाहिए।

उन्होंने एक व्यंग्यात्मक टिप्पणी में कहा कि भविष्य में बच्चे शायद किताबों में पढ़ेंगे कि ₹एक समय में एक स्वतंत्र निर्वाचन आयोग हुआ करता था।₹ विपक्ष का मुख्य आरोप यह है कि चुनावी रैलियों और प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों के आधार पर तारीखों का अनुमान पहले ही लगाया जा चुका था, जो आयोग की स्वायत्तता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। विपक्षी खेमे में EVM की विश्वसनीयता को लेकर भी गहरा असंतोष है।

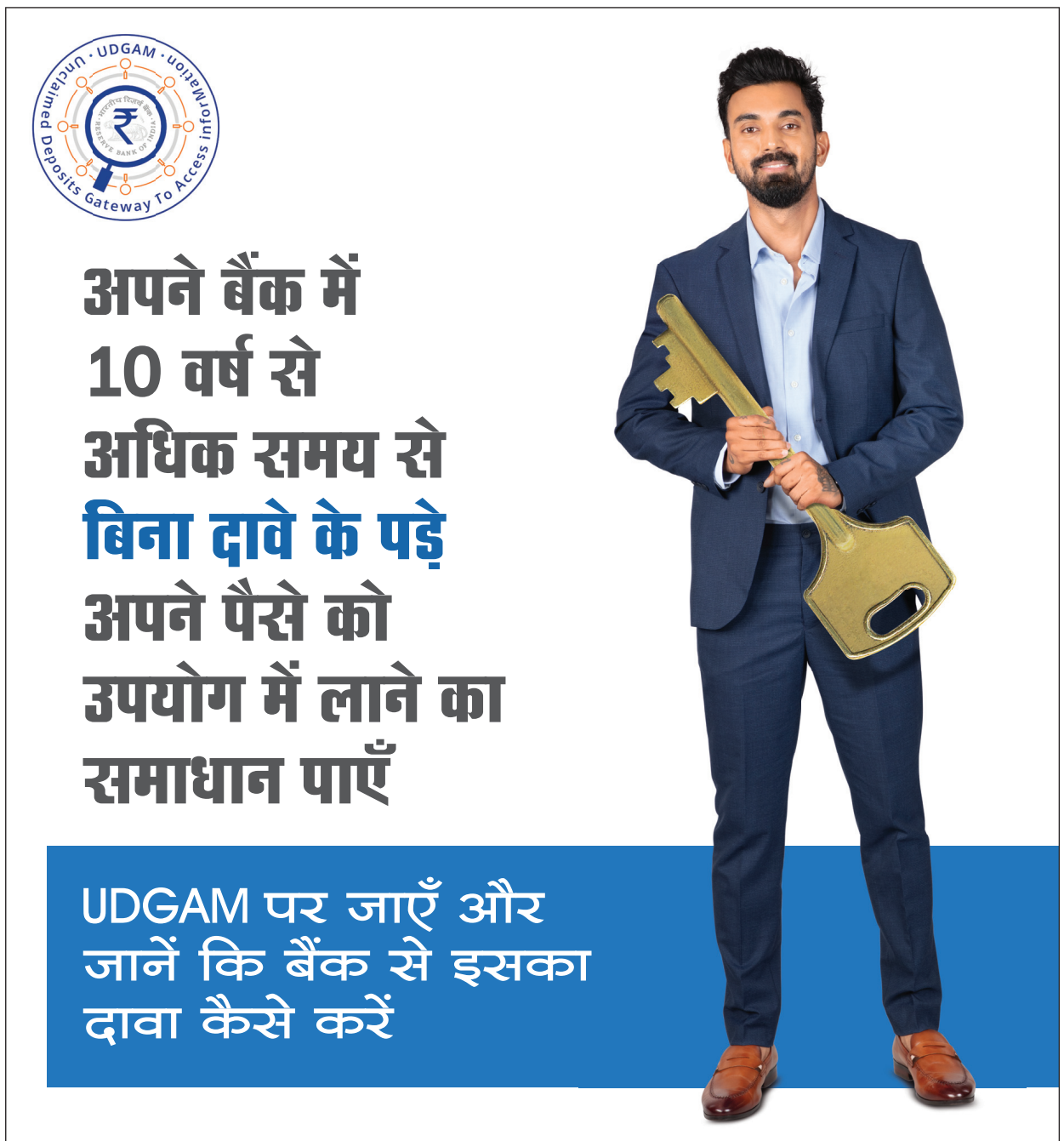

अटल टनल में भारी बर्फबारी

- 1000 से ज्यादा वाहन फंसे, सैलानी परेशान

एजेंसी । मनाली

अटल टनल में अचानक हुई भारी बर्फबारी ने पर्यटकों और वाहनों के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। टनल के दोनों छोरों पर लगभग आधा फीट बर्फ जमा होने के कारण 1000 से ज्यादा वाहन फंस गए हैं। पर्यटक बर्फबारी का आनंद लेने आए थे, लेकिन टनल में फंसने के कारण उनकी यात्रा बाधित हो गई। जानकारी के अनुसार, रविवार को भारी संख्या में पर्यटक हिमपात का अनुभव करने के लिए अटल टनल और मनाली क्षेत्र में पहुंचे।

रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू

दोपहर तीन बजे के बाद लाहौल-स्पीति और मनाली पुलिस ने फंसे वाहनों को वापस भेजना शुरू किया। मनाली पुलिस ने टनल में फंसे यात्रियों को निकालने के लिए राहत-बचाव टीमें तैनात की हैं।

प्रशासन की चेतावनी

मनाली पुलिस ने आगे आने वाले पर्यटकों को अटल टनल और लाहौल जाने पर पूरी तरह रोक लगाई है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि भारी बर्फबारी के दौरान जोखिम वाले इलाकों में वाहन लेकर न जाएं और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।भारी हिमपात के चलते अटल टनल और आसपास के पर्यटन स्थल जैसे धुंधी, मनाली और लाहौल-स्पीति में भी पर्यटकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

दिवा रोड के वेडिंग लॉन के स्टेज पर लगी आग, टली बड़ी दुर्घटना

ठाणे। दिवा रोड स्थित सहारा सिटी के सहारा वेडिंग ओपन लॉन के स्टेज पर रविवार शाम आग लगने की घटना सामने आई। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया। जानकारी के अनुसार रविवार शाम करीब 4:47 बजे मन्नत कंपाउंड के सामने दिवा रोड पर स्थित वेडिंग लॉन के स्टेज में अचानक आग लग गई। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही ठाणे फायर ब्रिगेड और ठाणे आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की टीम मौके पर पहुंची और आग पर तुरंत काबू पा लिया। अधिकारियों के अनुसार इस घटना में किसी के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है। समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

घर में घुसकर महिला की हत्या, आरोपी की तलाश में पुलिस

नवी मुंबई। तुर्भे गांव में शुक्रवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां घर में घुसकर 45 वर्षीय महिला की हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान मार्जिना मंडल (45) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मार्जिना मंडल सेक्टर-22 में शंकर भोईर की इमारत के पहले माले पर अकेली रहती थीं और घरों में काम कर अपना जीवनयापन करती थीं। शुक्रवार शाम वह घर में अकेली थीं, तभी एक अज्ञात व्यक्ति घर में घुस आया और धारदार हथियार से उनकी छाती पर वार कर मौके से फरार हो गया। शाम करीब 6:50 बजे इमारत में काम कर रहे मजदूरों ने उन्हें कमरे में खून से लथपथ हालत में पड़ा देखा। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही एपीएमसी पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की

ठाणे मनपा बजट पर टिकी निगाहें

चार साल बाद निर्वाचित प्रतिनिधियों के सामने होगा पेश, 23 मार्च को विशेष सभा

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे महानगरपालिका के चुनाव को दो महीने बीत जाने के बाद भी स्थायी समिति और अन्य विशेष समितियों का गठन नहीं हो पाया है। इस बीच मनपा प्रशासन ने 23 मार्च को विशेष सभा में बजट पेश करने की तैयारी शुरू कर दी है। लगभग चार साल बाद निर्वाचित प्रतिनिधियों के सामने बजट पेश किया जाएगा, इसलिए इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। सूत्रों के अनुसार इस बार बजट का आकार बढ़ सकता है और शहर के विकास से जुड़ी कई नई परियोजनाओं की घोषणा भी की जा सकती है। पिछले वर्ष 7 मार्च को मनपा आयुक्त सौरभ राव ने 5,645 करोड़ रुपये का वार्षिक बजट पेश किया था, जिसमें बिना किसी टैक्स बढ़ोतरी के नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देने का दावा किया गया था। इससे पहले वर्ष 2024 में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 5,025.1 करोड़ रुपये का बजट तैयार किया गया था।

चुनाव के बाद बदली परिस्थिति

करीब चार साल बाद हुए मनपा चुनाव के बाद इस बार का बजट निर्वाचित प्रतिनिधियों के सामने रखा जाएगा। 131 सदस्यीय मनपा में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 75 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। वहीं गठबंधन सहयोगी भारतीय जनता पार्टी के 27 नगरसेवक भी निर्वाचित हुए हैं और दोनों दल मनपा की सत्ता में शामिल हैं। महापौर और उपमहापौर का चुनाव होने के साथ ही सभागृह नेता और विपक्ष के नेता की नियुक्ति भी की जा चुकी है, लेकिन स्थायी समिति और अन्य समितियों के गठन में देरी के कारण बजट को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी।

23 मार्च को विशेष सभा

गौरतलब है कि 5 मार्च को बुलाई गई आम सभा को अचानक रद्द कर दिया गया था, जिसमें मनोनीत नगरसेवकों और समितियों के गठन की घोषणा होनी थी। अब जानकारी के अनुसार 23 मार्च को सुबह 11:30 बजे विशेष सभा आयोजित की जाएगी। इस महासभा में मनपा आयुक्त सौरभ राव की ओर से वित्तीय वर्ष 2025-26 का संशोधित बजट और वित्तीय वर्ष 2026-27 का मूल बजट पेश किया जाएगा। शहर के विकास कार्यों और नई परियोजनाओं को लेकर इस बजट से कई महत्वपूर्ण घोषणाओं की उम्मीद की जा रही है।

पहले प्रशासन ही पेश करता था बजट

मनपा भंग रहने के दौरान पिछले कुछ वर्षों से प्रशासन ही बजट पेश कर रहा था और उसे मंजूरी भी दे रहा था। अब चुनाव होने के बाद निर्वाचित प्रतिनिधियों की मौजूदगी में बजट पेश किया जाएगा, जिससे राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर इसकी अहमियत बढ़ गई है।

खाड़ी संकट का उद्योगों पर असर, ठाणे-बेलापुर के आधे कारखाने बंद होने की आशंका

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

खाड़ी देशों में जारी युद्ध जैसी स्थिति का असर अब नवी मुंबई के औद्योगिक क्षेत्र पर भी दिखाई देने लगा है। ठाणे-बेलापुर औद्योगिक पट्टी के कई उद्योग गंभीर संकट में आ गए हैं। आयात-निर्यात में बाधा, कच्चे माल की कीमतों में तेज वृद्धि और सप्लाई चेन के प्रभावित होने के कारण आने वाले दिनों में इस क्षेत्र के करीब आधे कारखाने अस्थायी रूप से बंद होने की आशंका उद्योग संगठनों ने जताई है। इस स्थिति का सीधा असर लगभग 10 लाख कामगारों के रोजगार पर पड़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। नवी मुंबई की ठाणे-बेलापुर औद्योगिक पट्टी देश के महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्रों में से एक मानी जाती है। यहां रसायन, फार्मा, इंजीनियरिंग, प्लास्टिक, मैन्युफैक्चरिंग, आईटी सहित छोटे और मध्यम उद्योगों

को मिलाकर लगभग 4 से 4.5 हजार उद्योग संचालित हो रहे हैं। इनमें से कई उद्योग कच्चे माल के लिए विदेशों पर निर्भर हैं। वर्तमान में खाड़ी क्षेत्र में तनाव के कारण समुद्री मार्गों में अनिश्चितता बढ़ गई है, जिससे जहाजरानी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रभावित हो रहा है। इसके चलते कच्चे माल की आपूर्ति में देरी हो रही है और उसकी कीमतों में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा तैयार माल के निर्यात में भी देरी हो रही है, जिसके कारण कई उद्योगों को उत्पादन कम करना पड़ रहा है। कुछ उद्योगों में कच्चे माल का स्टॉक तेजी से खत्म हो रहा है, जिससे उत्पादन पूरी तरह बंद होने की स्थिति भी बन सकती है। स्मॉल स्केल इंडस्ट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष के. आर. गोपी ने बताया कि कच्चे माल की बढ़ती कीमत, परिवहन लागत में वृद्धि और आयात प्रक्रिया में देरी के कारण खासकर लघु और मध्यम उद्योगों के सामने बड़ा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कई उद्योगों के पास लंबे समय तक उत्पादन बंद रखने की आर्थिक क्षमता नहीं है, जिससे स्थिति गंभीर बनती जा रही है। इस औद्योगिक पट्टी में सीधे और परोक्ष रूप से लगभग 10 लाख कामगार काम करते हैं। यदि उद्योग बंद होते हैं तो इन कामगारों की आय पर बड़ा असर पड़ेगा और उनके परिवार भी प्रभावित होंगे। इसलिए उद्योग संगठनों ने केंद्र और राज्य सरकार से तुरंत हस्तक्षेप कर राहत उपायों की घोषणा करने की मांग की है।

सेंधमारी और वाहन चोरी के 10 मामलों का खुलासा

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

ठाणे पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत जोन-4 पुलिस ने पिछले छह महीनों में हुई सेंधमारी और दोपहिया वाहन चोरी की 10 वारदातों का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 2 लाख 14 हजार रुपये का चोरी का माल बरामद किया है। पुलिस के अनुसार विट्ठलवाड़ी, शिवाजीनगर, बदलापुर पूर्व-पश्चिम और अंबरनाथ थाना क्षेत्रों में लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही थीं। बढ़ती वारदातों को देखते हुए पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर संदिग्धों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान लकी

दो आरोपी गिरफ्तार, 2.14 लाख रुपये का माल बरामद

सिंह गब्बर सिंह टाक और कृष्ण शंकर शर्मा की पहचान हुई। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक योगेश आव्हाड और पुलिस उपनिरीक्षक विजय कजरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जाल बिछाकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने विट्ठलवाड़ी, शिवाजीनगर, बदलापुर और अंबरनाथ क्षेत्र में सेंधमारी और दोपहिया वाहन चोरी की कुल 10 घटनाओं को अंजाम देने की बात कबूल की है। पुलिस के मुताबिक लकी सिंह के खिलाफ पहले से ही नागपुर, वर्धा, छत्रपति संभाजीनगर और कर्नाटक में चोरी समेत कुल नौ आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इस कार्रवाई में चोरी के मामलों का खुलासा करते हुए करीब 2.14 लाख रुपये का सामान जब्त किया है। मामले की आगे की जांच उल्हासनगर क्राइम ब्रांच यूनिट-4 की टीम कर रही है।

कोपरी में चैत्र नवरात्रि उत्सव की तैयारी

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन में धर्मवीर आनंद दिघे प्रतिष्ठान की ओर से कोपरी में चैत्र नवरात्रि उत्सव इस वर्ष धूमधाम से मनाया जाएगा। उत्सव के दौरान स्वराज्य आख्यान, अभंग प्रस्तुति, माता की चौकी सहित कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसकी जानकारी नरेश म्हस्के ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।उन्होंने बताया कि इस भव्य आयोजन में कई प्रसिद्ध कलाकार भी शामिल होंगे। इनमें अभिनेत्री वर्षा उसगांवकर, वंदना गुप्ते, निर्मिति सावंत, बिग बॉस फेम जान्हवी किलेकर, अभिनेता सिद्धार्थ बोडके और नेशनल चाइल्ड सिंगर अवॉर्ड विजेता त्रिशा ठोसर शामिल होंगे।

संत तुकाराम प्लेग्राउंड में होगा आयोजन

यह उत्सव कोपरी कॉलोनी ईस्ट स्थित संत तुकाराम प्लेग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। देवी का आगमन 18 मार्च की शाम को होगा, जबकि 19 मार्च को गुड़ी पड़वा के दिन दोपहर 12:15 बजे उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों देवी की प्राणप्रतिष्ठा और पूजा-अर्चना की जाएगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में शर्मिला पिंपलोलकर, नगरसेविका मालती पाटिल, नम्रता पमनानी, नगरसेवक अनिल भोर, प्रकाश कोटवानी, हेमंत पमनानी, ऋषिकेश माने, संतोष बोडके, प्रकाश पाटिल सहित शिवसेना के पदाधिकारी और महिला आघाड़ी की कार्यकर्ता भी उपस्थित थीं।आयोजकों के अनुसार इस उत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और नागरिकों के शामिल होने की संभावना है तथा पूरे क्षेत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक माहौल देखने को मिलेगा।

साइबर ब्लैकमेल से परेशान व्यक्ति ने की आत्महत्या

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

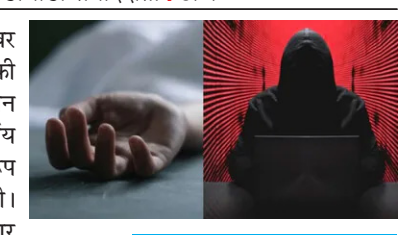

ठाणे जिले में साइबर अपराधियों की ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर 45 वर्षीय व्यक्ति ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने पीड़ित की मॉर्फ्ड (छेड़छाड़ की गई) अश्लील तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उससे पैसे मांग रहे थे। पुलिस ने बताया कि कल्याण पूर्व निवासी हेमंत दयाशंकर पांडे ने 7 जनवरी को अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। जांच में सामने आया है कि साइबर अपराधी उन्हें लगातार पैसे देने के लिए दबाव बना रहे थे। पीड़ित के मोबाइल फोन की जांच में पता चला कि आरोपियों ने ईमेल के जरिए उनकी तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ कर उन्हें भेजा था और बदनाम करने की धमकी देकर पैसे की मांग की थी। पीड़ित के बड़े भाई की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक पांडे पर करीब दो लाख रुपये की व्यवस्था करने का दबाव था और उन्होंने कथित तौर पर अपने भाई से 1.6 लाख रुपये भी मांगे थे। परिवार का कहना है कि ब्लैकमेलिंग और लगातार मिल रही धमकियों से परेशान होकर उन्होंने यह कदम उठाया।

मॉर्फ्ड अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी में गैस कालाबाजारी का पर्दाफाश, भारी स्टॉक जब्त

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

प्रशासन ने भिवंडी में अवैध गैस भंडारण और कालाबाजारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। ठाणे राशनिंग विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर वालपाडा स्थित वर्धमान टॉवर में छापेमारी की, जहां भारी मात्रा में भारत गैस और HP गैस के सिलेंडर जमा पाए गए। यह स्टॉक न केवल कानून के खिलाफ था, बल्कि निवासियों की जान के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता था। टीम ने वर्धमान टॉवर के रिहायशी इलाके में घरेलू और कमर्शियल सिलेंडरों का बड़ा स्टॉक जब्त किया। अधिकारी बताते हैं कि सिलेंडर सुरक्षा मानकों के बिना रखे गए थे, जिससे किसी भी समय भयंकर आग या विस्फोट की आशंका थी।

गैस संकट का फायदा उठाकर मुनाफाखोरी

मिडिल ईस्ट में युद्ध और ईंधन सप्लाई में बाधा के बीच कुछ लोग कृत्रिम किल्लत बनाकर सिलेंडर ऊँचे दामों पर बेचने की योजना बना रहे थे। अधिकारियों के अनुसार, गैस माफिया इन सिलेंडरों को होटल संचालकों और आम जनता को दोगुने-तिगुने दामों में बेचने की तैयारी कर रहे थे। प्रशासन ने मौके से सारा स्टॉक जब्त कर लिया और दो आरोपियों को हिरासत में लिया। राशनिंग विभाग जांच कर रहा है कि आरोपियों को गैस कंपनियों या कर्मचारियों से किस तरह सहयोग मिल रहा था। भिवंडी प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि यदि आसपास किसी स्थान पर अवैध गैस भंडारण दिखे, तो तुरंत पुलिस या राशनिंग विभाग को सूचित करें। इस कार्रवाई से गैस माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

महिला दिवस पर हेलमेट वितरण अभियान

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

विश्व महिला दिवस के अवसर पर ठाणे ट्रैफिक विभाग की ओर से कापूरबावड़ी स्थित मंथन हॉल में हेलमेट सुरक्षा अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और महिला शक्ति के सम्मान में पत्रकारिता क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं तथा ड्यूटी पर तैनात महिला ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को हेलमेट वितरित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण के मार्गदर्शन में किया गया। इस मौके पर ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट ने महिला पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि ट्रैफिक नियंत्रण करते समय उन्हें बिना किसी झिझक के अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए और अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने भविष्य में ऐसे प्रेरणादायक कार्यक्रमों को आगे

ठाणे ट्रैफिक विभाग की पहल, महिला पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

भी जारी रखने की बात कही। इस अवसर पर मेयर कंपनी की पहल पर ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं के लिए बोन डेंसिटी का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया, जिसे काफी अच्छा प्रतिसाद मिला। कार्यक्रम में मौजूद महिला पुलिसकर्मियों को सम्मानित करते हुए उनके साहस और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की गई। मेयर कंपनी के डायरेक्टर राजेश तावड़े ने कहा कि महिलाओं को अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूक रहना चाहिए। वहीं कंपनी की डायरेक्टर उमा कालेकर ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पोषण की कमी के कारण हड्डियां कमजोर हो रही हैं, इसलिए नियमित जांच और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के हेल्थ कैंप महिलाओं को अपने शरीर में कैल्शियम और अन्य पोषक तत्वों की स्थिति समझने में मदद करते हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत में उल्हासनगर ट्रैफिक विभाग की कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान उल्हासनगर यातायात उप-मंडल ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के खिलाफ दर्ज मामलों पर कार्रवाई करते हुए 815 ई-चालान मामलों का निपटारा किया। इस कार्रवाई में कुल 13 लाख 60 हजार 900 रुपये का जुर्माना वसूल कर सरकारी खजाने में जमा कराया गया। उल्हासनगर यातायात विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश शिरसाठ के मार्गदर्शन में पुलिस हवलदार विष्णु मोगरे, नाना अव्हाड, भरत खाडेकर और यातायात वार्डन राहुल ससाने ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि लोक

815 ई-चालान मामलों का निपटारा, 13.60 लाख रुपये जुर्माना वसूला

अदालत के माध्यम से लंबित मामलों के त्वरित निपटारे में मदद मिली और वाहन चालकों को भी अपने मामलों का समाधान करने का अवसर मिला। यातायात विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन करें। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी ताकि शहर में यातायात व्यवस्था बेहतर बनी रहे।

चेटीचंड पर उल्हासनगर में निकलेगी भव्य बाइक रैली

इष्ट देव भगवान झूलेलाल की भक्ति में झूमेगा शहर

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

सिंधी समाज के नववर्ष चेटीचंड के पावन पर्व पर शहर में हर साल की तरह इस वर्ष भी भव्य मोटरसाइकिल रैली और महायात्रा का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने 19 और 20 मार्च को होने वाले इस आयोजन में सिंधी समाज के लोगों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है। चेटीचंड महाबाइक रैली के आयोजक महेश सुखरामानी तथा "जय झूलेलाल चेटीचंड महायात्रा" के आयोजकों ने बताया कि यह रैली 19 मार्च को उल्हासनगर-1 स्थित रिजेंसी एंटीलिया से निकाली जाएगी। सुबह 10 बजे झूलेलाल मंदिर के प्रमुख भाऊ लीलाराम मंडली द्वारा बहराणा साहिब का आयोजन किया जाएगा, जिसके बाद झूलेलाल भक्त नाचते-गाते हुए रैली की शुरुआत करेंगे। सुबह करीब 11 बजे शुरू होने वाली यह बाइक रैली शहर के प्रमुख मार्गों—बिर्ला गेट, शिव रोड, नेहरू चौक, फर्नीचर बाजार, छत्रपति शिवाजी महाराज चौक, 17 सेक्शन चौक, हिराघाट, पवाई चौक, कैंप-4 मुख्य बाजार, वीनस चौक, नेताजी चौक, गांधी रोड और चालीया साहिब चौक से होते हुए दोपहर करीब 2 बजे कैंप-5 स्थित कैलाश कॉलोनी में जय झूलेलाल प्रवेश द्वार पर समाप्त होगी। इस दौरान विभिन्न महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण भी किया जाएगा।

20 मार्च को निकलेगी भव्य महायात्रा

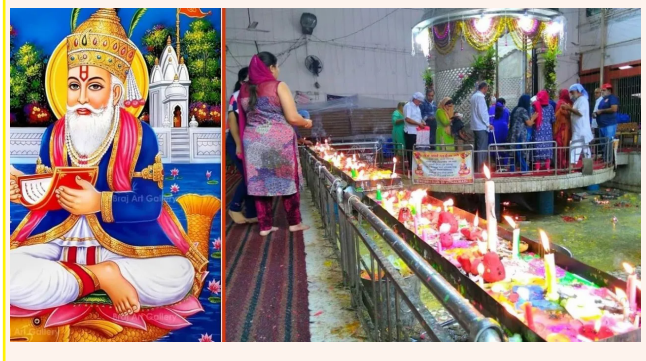

20 मार्च को भाऊ परसराम साहेब के आशीर्वाद, दादा कमल पिंजानी की प्रेरणा और भाऊ लीलाराम साहेब के मार्गदर्शन में भव्य महायात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा उल्हासनगर-1 स्थित भाऊ परसराम झूलेलाल मंदिर से शुरू होकर कैंप-5 के पूज्य चालिया मंदिर तक पहुंचेगी।महायात्रा सुबह 11 बजे शुरू होगी, जिसमें भगवान झूलेलाल की भव्य झांकियां सजाई जाएंगी। बैंड-बाजों की धुनों के बीच भक्त "जय झूलेलाल" के जयकारों के साथ नाचते-गाते नजर आएंगे। यात्रा में रथ, विंटेज कार और कलाकारों की प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र होगी।आयोजकों ने सिंधी समाज के व्यापारी, सामाजिक संस्थाएं, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, कलाकार, संत-महात्मा, वरिष्ठ नागरिक, डांस क्लब, योग क्लब और समाज के सभी भाई-बहनों से इन दोनों आयोजनों में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की है।

13 साल बाद परिवार से मिला 'अफजल'

ठाणे मानसिक अस्पताल के डॉक्टरों और स्टाफ की कोशिश रंग लाई

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मध्य प्रदेश का एक मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति 13 साल बाद अपने परिवार से मिल पाया। ठाणे के मानसिक अस्पताल के डॉक्टरों और स्टाफ की संवेदनशील कोशिशों से यह संभव हो सका। लंबे समय से अपनी पहचान नहीं बता पा रहा यह मरीज आखिरकार शुक्रवार को भावुक माहौल में अपने परिजनों से मिल गया। अफजल (बदला हुआ नाम) करीब 13 साल पहले मुंबई के बांद्रा इलाके में भटकता हुआ मिला था। वह अपनी पहचान बताने की स्थिति में नहीं था। पांच महीने पहले पुलिस ने उसे इलाज के लिए ठाणे के मनोरुग्णालय में भर्ती कराया था। अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. नेताजी मुलिक और मनोचिकित्सक डॉ. आशीष पाठक की देखरेख में उसका इलाज और काउंसलिंग शुरू हुई। शुरुआत में वह अलग-अलग जगहों के पते बताता था, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा था।

डॉक्टरों और स्टाफ की अहम भूमिका

डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ. प्राची चिवटे, सोशल सर्विस सुपरिटेंडेंट सतीश वाघ, साइकेट्रिक नर्स मानसी दुखंडे, तेजस्विनी पवार और अन्य कर्मचारियों ने मरीज को उसके परिवार तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। अफजल के दोस्त सलीम शेख ने बताया कि वह पढ़ा-लिखा ग्रेजुएट है और उसे लिखने का बहुत शौक था। मानसिक स्थिति बिगड़ने के कारण वह अचानक घर छोड़कर चला गया था। परिवार ने उसे काफी तलाशा, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला और उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी थी। उन्होंने कहा कि ठाणे के मनोरुग्णालय ने अफजल के साथ जिस इंसानियत और संवेदनशीलता से काम किया, उसके लिए वे हमेशा आभारी रहेंगे।

गांव का नाम मिला सुराग

लगातार इलाज और काउंसलिंग के दौरान 7 मार्च को अफजल ने अपने गांव का नाम रामनगर, जिला सतना (मध्य प्रदेश) बताया। इस जानकारी के आधार पर अस्पताल प्रशासन ने तुरंत सतना पुलिस से संपर्क किया और मरीज की फोटो व जानकारी भेजी। स्थानीय स्तर पर तलाश के बाद महज एक घंटे में उसके रिश्तेदारों का पता लगा लिया गया। वीडियो कॉल के जरिए पहचान की पुष्टि होने के बाद उसका भतीजा, भाभी और अन्य परिजन ठाणे पहुंच गए।

गैस को लेकर डर फैलाया जा रहा: फडणवीस

डीबीडी संवाददाता । पुणे

देवेंद्र फडणवीस ने एलपीजी की कथित कमी को लेकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में रसोई गैस की पर्याप्त आपूर्ति उपलब्ध है और लोगों को सिलेंडर के लिए कतारों में लगने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच कांग्रेस जानबूझकर लोगों में भय का माहौल बना रही है। फडणवीस ने यह टिप्पणी उस समय की जब उनसे राहुल गांधी और विपक्ष की ओर से गैस संकट को लेकर उठाए जा रहे सवालों के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दल अफवाह फैलाकर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं, जिससे नागरिक अनावश्यक रूप से गैस सिलेंडर लेने के लिए लंबी कतारों में खड़े हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा,'देश में एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह पर्याप्त है। किसी भी नागरिक को घबराने या कतार में लगने की आवश्यकता नहीं है।'

होर्मुज जलडमरू मध्य से प्रभावित आपूर्ति

गौरतलब है कि ईरान और ओमान के बीच स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़े तनाव के कारण कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।इस बीच भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि घरेलू उपयोग और अस्पतालों जैसे आवश्यक क्षेत्रों के लिए एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि रेस्तरां और अन्य गैर-जरूरी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए इसकी आपूर्ति सीमित की गई है। सरकार ने दोहराया है कि देश में घरेलू एलपीजी की कोई कमी नहीं है।

24 साल पुराने बैंक फ्रॉड केस में फरार आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने 24 साल पुराने बैंक धोखाधड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे आरोपी हरपाल सिंह आहूजा को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया। हरपाल पिछले करीब 11 साल से फरार था और लगातार कानून की पकड़ से बचता रहा।
इस मामले में केस 27 अप्रैल 2001 को दर्ज किया गया था। जांच पूरी होने के बाद 19 मार्च 2003 को हरपाल सिंह आहूजा और अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई थी। CBI के अनुसार, हरपाल इस पूरे मामले का मुख्य साजिशकर्ता था और उसी ने धोखाधड़ी की योजना बनाई थी।

फरार होने का लंबा सिलसिला

2014 में ट्रायल के दौरान हरपाल सिंह आहूजा फरार हो गया। 2 अगस्त 2014 को गाजियाबाद स्थित CBI की विशेष अदालत ने उसे Pro-claimed Offender घोषित किया। 1 अगस्त 2017 को उसके खिलाफ ओपन डेटेड अरेस्ट वारंट भी जारी हुआ। इस दौरान हरपाल मुंबई और फरीदाबाद के बीच लगातार अपना ठिकाना बदलता रहा। लगातार ट्रैकिंग और प्रयासों के बाद CBI को सफलता मिली। हरपाल को 12 मार्च 2026 को मुंबई के कल्याण इलाके से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद उसे गाजियाबाद लाया गया और CBI की विशेष अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। CBI ने इस गिरफ्तारी को 24 साल पुराने बैंक फ्रॉड केस में बड़ी सफलता बताया है।

कृषि में डिजिटल क्रांति को बढ़ावा फडणवीस को मानद डीएससी

महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ के 39वें दीक्षांत समारोह में मिला सम्मान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कृषि क्षेत्र में डिजिटल प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने और आधुनिक तकनीक को खेती से जोड़ने के प्रयासों के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को मानद डॉक्टर ऑफ साइंस (डीएससी) की उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी के 39वें दीक्षांत समारोह के दौरान प्रदान किया गया। समारोह में महाराष्ट्र के राज्यपाल और राज्य के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति जिष्णु देव वर्मा ने फडणवीस को यह मानद उपाधि प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्तमान युग तकनीक और नवाचार से संचालित है और कृषि जैसे पारंपरिक क्षेत्र में भी डिजिटल तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग भविष्य की जरूरत बनता जा रहा है।
राज्यपाल ने कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी के माध्यम से खेती को अधिक उत्पादक, पारदर्शी और लाभदायक बनाया जा सकता है। आधुनिक तकनीक के उपयोग से किसानों को मौसम, बाजार और फसल प्रबंधन से जुड़ी सटीक जानकारी मिल सकती है, जिससे कृषि क्षेत्र में बड़ा बदलाव संभव है। बताया गया कि राज्यपाल के रूप में शपथ लेने के बाद यह जिष्णु देव वर्मा का पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था। दीक्षांत समारोह में बड़ी संख्या में छात्र, शोधार्थी और कृषि वैज्ञानिक मौजूद रहे।

कई गणमान्य रहे उपस्थित

कार्यक्रम में राम शिंदे, राज्य के कृषि मंत्री और विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर दत्तात्रेय भराणे सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि कृषि में डिजिटल नवाचार, स्मार्ट खेती और तकनीकी समाधानों को बढ़ावा देने के प्रयासों को देखते हुए मुख्यमंत्री को यह मानद उपाधि प्रदान की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीक आधारित खेती से उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ किसानों की आय में भी सुधार लाया जा सकता है।

प्रेम संबंध के शक में युवक की पीट-पीटकर हत्या

पुणे के कोथरूड में ऑनर किलिंग का शक, मॉब लिंचिंग में महिलाएं भी शामिल

डीबीडी संवाददाता । पुणे

पुणे के कोथरूड इलाके में प्रेम संबंध के संदेह में 23 वर्षीय युवक की पीट-पीटकर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतक की पहचान नागेश जाधव के रूप में हुई है। आरोप है कि एक नाबालिग लड़की के परिजनों और रिश्तेदारों ने उसे कथित तौर पर सामूहिक रूप से पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में पुणे पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि चार अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।
पुलिस के अनुसार घटना 14 मार्च 2026 की शाम को कोथरूड स्थित 'मेगासिटी' नामक रिहायशी इमारत में हुई। बताया जा रहा है कि नागेश और संबंधित नाबालिग लड़की के बीच दोस्ती थी, जिससे लड़की के परिजन नाराज थे। इसी रंजिश में कथित तौर पर योजना बनाकर नागेश को फोन कर बुलाया गया और इमारत की छत पर उसकी बेरहमी से पिटाई की गई। मृतक की मां सुरेखा जाधव द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार 14 मार्च की शाम करीब 7:15 बजे नागेश को एक कॉल आया, जिसके बाद वह बाइक लेकर घर से निकल गया। करीब एक घंटे बाद उसी के फोन से उसकी मां को कॉल आया, जिसमें एक अज्ञात व्यक्ति ने गाली-गलौज करते हुए कहा कि नागेश को बुरी तरह पीटा गया है और यदि 10 मिनट में उसे नहीं ले जाया गया तो उसे छत से नीचे फेंक दिया जाएगा। परिजन जब मौके पर पहुंचे तो नागेश अर्धनग्न और गंभीर रूप से घायल हालत में छत पर पड़ा मिला। उसके शरीर पर कई गहरे जख्म थे और आसपास खून से सने डंडे पड़े थे।
परिजनों का दावा है कि जब वे छत पर पहुंचे तो वहां कई लोग मौजूद थे और कुछ महिलाएं भी नागेश को पीट रही थीं। गंभीर हालत में उसे पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और बाद में ससून अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार अत्यधिक आंतरिक रक्तस्राव और सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौत हुई।
पुणे पुलिस ने इस मामले में हत्या सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक तकनीकी साक्ष्यों और कॉल रिकॉर्ड के आधार पर छह मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य संदिग्धों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं।
प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मोबाइल फोन पर हुई बातचीत का पता चलने के बाद आरोपियों ने हमले की योजना बनाई थी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या इस सामूहिक हमले में और लोग शामिल थे। इस घटना ने समाज में बढ़ती असहिष्णुता और कानून को हाथ में लेने की प्रवृत्ति को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मध्य रेलवे के टीटीआई मोहम्मद शम्स बने 'करोड़पति'

टिकट चेकिंग से वसूली में 1 करोड़ रुपए का आंकड़ा किया पार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेलवे के मुंबई मंडल में कार्यरत ट्रैवलिंग टिकट इंस्पेक्टर (टीटीआई) मोहम्मद शम्स चंद ने टिकट चेकिंग से वसूली में 1 करोड़ रुपए से अधिक का आंकड़ा पार कर एक नई उपलब्धि हासिल की है। वह वित्त वर्ष 2025-26 में यह उपलब्धि हासिल करने वाले मुंबई मंडल के पहले टिकट चेकिंग कर्मी बन गए हैं।
मोहम्मद शम्स ने 1 अप्रैल 2025 से 15 मार्च 2026 के बीच कुल 11,483 मामलों का पता लगाते हुए टिकट चेकिंग के जरिए 1,00,38,505 रुपए की वसूली की। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से रेलवे को राजस्व हानि से बचाने में भी बड़ी मदद मिली है।
रेलवे अधिकारियों के अनुसार उनकी उपलब्धि ने टिकट चेकिंग कर्मचारियों की प्रतिष्ठा को बढ़ाया है और अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। मध्य रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान अधिकृत माध्यमों से ही टिकट लें। यात्री स्टेशन के बुकिंग काउंटर, एटीवीएम मशीन, आईआरसीटीसी की वेबसाइट या मोबाइल ऐप रेल वन के जरिए टिकट बुक कर सकते हैं। इससे बिना टिकट यात्रा से बचा जा सकता है और रेलवे की सेवाओं को बेहतर बनाए रखने में मदद मिलती है।

मेट्रो फेज-2 के काम से हिंगना मार्ग पर हादसे बढ़े

वैकल्पिक सड़कों की मरम्मत और एसटीपी प्लांट चालू करने की मांग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में मेट्रो परियोजना के दूसरे चरण के निर्माण कार्य के चलते कई स्थानों पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। हिंगना मार्ग पर भी दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ने को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने चिंता जताई है। उन्होंने वैकल्पिक मार्गों की तत्काल मरम्मत कराने की मांग उठाई है ताकि हादसों को रोका जा सके।
हाल ही में वानाडोंगरी क्षेत्र में हुई एक सड़क दुर्घटना के बाद डिंगडोह परिसर में एक पत्र परिषद आयोजित की गई। इसमें डिंगडोह की नगराध्यक्षा पूजा उके, पूर्व जिला परिषद सदस्य अंबादास उके, निर्माण कार्य समिति सभापति कैलाश गिरी, नगरसेवक रवि कोकाटे, निलडोह की नगराध्यक्षा भूमिका मंडपे, इसासनी के सरपंच अरविंद ढोने और भाजपा के लीलाधर दाभे सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रतिनिधियों ने बताया कि मेट्रो फेज-2 का काम शुरू होने के बाद से अब तक करीब 10 वाहन चालकों की दुर्घटनाओं में मौत हो चुकी है, जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इसके अलावा 50 से अधिक छोटे-मोटे हादसे भी दर्ज किए गए हैं।
जनप्रतिनिधियों के अनुसार लोकमान्य नगर मेट्रो स्टेशन से इसासनी-वागधरा, माधवनगरी और रायपुर-हिंगना के लिए वैकल्पिक मार्ग बनाए गए थे, लेकिन वाहनों की बढ़ती आवाजाही के कारण इन सड़कों की स्थिति खराब हो गई है। खराब सड़कें और अधूरा निर्माण कार्य दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है।
बैठक में यह भी बताया गया कि लोकमान्य नगर मेट्रो स्टेशन से निकलने वाला गंदा पानी खुले स्थानों पर जमा हो रहा है, जिससे आसपास के नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।जनप्रतिनिधियों ने इस समस्या के समाधान के लिए बंद पड़े एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) को जल्द से जल्द शुरू करने और वैकल्पिक सड़कों की तत्काल मरम्मत करा।

सोनम वांगचुक रिहा

मजीद मेमन ने सरकार से किये कड़े सवाल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

लद्दाख के पर्यावरण और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पर लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) को गृह मंत्रालय द्वारा वापस लिए जाने के फैसले के बाद राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। टीएमसी नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता मजीद मेमन ने इस कार्रवाई पर सरकार से तीखे सवाल उठाए हैं।
मजीद मेमन ने कहा कि अगर वांगचुक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा थे, तो अचानक उनकी रिहाई क्यों हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विरोध की आवाजों को दबाने के लिए कड़े कानूनों का दुरुपयोग कर रही है। मेमन ने सवाल किया, 'क्या सबूत हवा में गायब हो गए या थे ही नहीं?' उनका कहना था कि यह कदम सिर्फ राजनीतिक दबाव या अंतरराष्ट्रीय बदनामी से बचने के लिए उठाया गया प्रतीत होता है।

भगवा एजेंडे और क्षेत्रीय दलों की स्वायत्तता

मेमन ने भाजपा के 'भगवाकरण' एजेंडे की आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी का उद्देश्य पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु जैसे राज्यों पर कब्जा करना है। उनका कहना था कि क्षेत्रीय दलों और उनके नेतृत्व को निशाना बनाना संघीय ढांचे के लिए खतरा है।

लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रभाव

मेमन ने वांगचुक की हिरासत और अचानक रिहाई को कानूनी प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर बड़ा सवाल बताया। उनका कहना था कि सरकार की कार्यप्रणाली विपक्ष और सामाजिक कार्यकर्ताओं को डराने का संकेत देती है। मेमन ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भाजपा की सक्रियता पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पार्टी किसी भी तरह से चुनाव जीतना चाहती है और इसके लिए केंद्रीय एजेंसियों या चुनाव आयोग का दुरुपयोग किया जा सकता है।

बारामती-राहुरी उपचुनाव

फडणवीस ने कहा, आम सहमति से निर्णय का प्रयास रहेगा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि पुणे की बारामती और राहुरी विधानसभा सीट पर उपचुनाव आम सहमति से निर्विरोध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर मुकाबला होता है तो भाजपा चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।
मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने घोषणा की कि बारामती सीट तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन और राहुरी सीट भाजपा विधायक शिवाजी कर्डिले के निधन के कारण खाली हुई है। इन दोनों सीटों पर उपचुनाव 23 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। फडणवीस ने कहा, 'हमारा हर संभव प्रयास रहेगा कि आम सहमति से निर्णय लिया जाए ताकि चुनाव निर्विरोध हो सके। लेकिन अगर चुनाव थोपे जाते हैं तो हम तैयार हैं।'

देशभर में अन्य उपचुनाव

देश में कुल आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। गोवा, कर्नाटक, नगालैंड और त्रिपुरा की पांच सीटों पर 9 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि गुजरात की एक और महाराष्ट्र की बारामती एवं राहुरी की दो सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होगा। अन्य छह सीटें हैं : गोवा में पोंडा, कर्नाटक में बागलकोट और दावनगेरे साउथ, नगालैंड में कोरीडांग, त्रिपुरा में धर्मनगर और गुजरात में उमरेथ।

पानी विवाद: मनपा ने जल विभाग की चेतावनी को खारिज किया

डीबीडी संवाददाता । पुणे

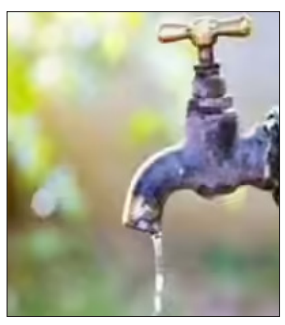

पुणे महानगर पालिका (PMC) ने जल संसाधन विभाग द्वारा शहर की पानी आपूर्ति रोकने की चेतावनी को पूरी तरह गलत और अनुचित बताया है। मनपा ने साफ किया कि किसी बकाया राशि के दबाव में वह पानी की आपूर्ति रोकने के निर्णय को स्वीकार नहीं करेगी। मनपा का कहना है कि शहर में औद्योगिक उपयोग नहीं हो रहा, फिर भी विभाग औद्योगिक दरों पर टैक्स वसूल रहा है। साथ ही, जल संसाधन विभाग के पास मनपा के लगभग 411 करोड़ रुपए अतिरिक्त जमा हैं, जिन्हें समायोजित किया जाना चाहिए। यह विवाद नया नहीं है। पिछले महीने विभाग ने मनपा को 953 करोड़ रुपए का बकाया भुगतान नोटिस दिया था। मनपा प्रति माह केवल 10 करोड़ रुपए टैक्स जमा कर रही है।
राज्य सरकार ने शहर के लिए 16.36 टीएमसी पानी तय किया है, जबकि विभाग के नोटिस में केवल 11.60 टीएमसी का उल्लेख है। बढ़ती आबादी और मांग के मद्देनजर मनपा ने 21.03 टीएमसी पानी की मांग की है। हर साल विभाग द्वारा आपूर्ति रोकने की चेतावनी दी जाती है और मनपा इस पर राज्य सरकार को पत्र लिखती है, लेकिन अभी तक इस गंभीर समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है।

पुणे-नाशिक हाईवे पर 4 किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम

डीबीडी संवाददाता । पुणे/नाशिक

शनिवार को पुणे-नाशिक राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण ट्रैफिक जाम की वजह से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सड़क पर वाहनों की कतार लगभग चार किलोमीटर लंबी हो गई, जिसमें कार, बस, ट्रक और अन्य निजी वाहन शामिल थे। वीकेंड के चलते पर्यटकों और आम यात्रियों की संख्या अचानक बढ़ गई, जिससे हाईवे पर ट्रैफिक पूरी तरह ठप हो गया। भीषण गर्मी में फंसे यात्रियों, खासकर बुजुर्गों और बच्चों को घंटों तक इंतजार करना पड़ा।
महाराष्ट्र यातायात पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन वाहनों की भारी भीड़ के कारण जाम सामान्य होने में लंबा समय लगा। स्थानीय नागरिक प्रशासन से दीर्घकालिक समाधान की मांग कर रहे हैं, ताकि हाईवे पर लगातार जाम की समस्या से निजात मिल सके।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सहाय्यक आयुक्त 'बी' विभाग

क्र.: स.अ.श्री / 6382 / घकव्य दिनांक: 13/03/2026

स्वारस्य अभिव्यक्ति (Expression of Interest)

'बी' विभाग के दानाबंदर तथा मोहम्मद अली रोड परिसर में मैनिंग मैपिंग (सड़क सफाई तथा कचरा संकलन केंद्र को स्वच्छ बनाए रखने) योजना के अंतर्गत रात्रि पाली में कार्य करने हेतु, इस प्रकार के कार्य का अनुभव रखने वाली इच्छुक स्थानीय संस्थाओं से पात्रता सूची तैयार करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

इच्छुक स्थानीय संस्थाएं इस संबंध में विवरण, आवेदन पत्र तथा इच्छापत्र का नमूना प्राप्त करने के लिए 3000/- + 18% जीएसटी की राशि नागरिक सुविधा केंद्र में जमा करने के बाद सहायक अभियंता (घकव्य), 'बी' विभाग कार्यालय से दिनांक 16.03.2026 से 24.03.2026 तक, प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक प्राप्त कर सकती हैं।

संस्था द्वारा 'बी' विभाग कार्यालय में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 25.03.2026, दोपहर 01:00 बजे तक निर्धारित की गई है।

हस्ता.

पीआरओ/3295/विज्ञा./2025-26 — सहायक अभियंता (घकव्य) 'बी' विभाग

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

संपादकीय

यूरोप में ऊर्जा संकट की आहट और नई चिंताएं

यूरोप एक बार फिर ऊर्जा संकट की आशंका से जूझता दिखाई दे रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध और वैश्विक बाजार की अस्थिरता ने ऊर्जा आपूर्ति की व्यवस्था को बार-बार झकझोर दिया है। हाल के अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों, विशेष रूप से पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और तेल-गैस की अनिश्चित आपूर्ति ने यूरोप में फिर से ऊर्जा सुरक्षा को लेकर व्यापक चर्चा शुरू कर दी है। यह केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह यूरोप की औद्योगिक क्षमता, सामाजिक स्थिरता और राजनीतिक भविष्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है।

दरअसल यूरोप की अर्थव्यवस्था लंबे समय से आयातित ऊर्जा पर निर्भर रही है। विशेष रूप से प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए उसे बाहरी स्रोतों पर भरोसा करना पड़ता है। पिछले वर्षों में रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण रूस से गैस की आपूर्ति में भारी कमी आई थी, जिससे यूरोप को अचानक वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करनी पड़ी। उस संकट ने स्पष्ट कर दिया था कि ऊर्जा के मामले में अत्यधिक निर्भरता किसी भी क्षेत्र को असुरक्षित बना सकती है। अब पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने यूरोप की चिंता को फिर से बढ़ा दिया है। यदि तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित होती है या समुद्री मार्गों में बाधा आती है, तो इसका सीधा असर यूरोप की ऊर्जा व्यवस्था पर पड़ेगा। यूरोप के कई देश पहले से ही ऊर्जा की ऊंची कीमतों और आपूर्ति की अनिश्चितता से जूझ रहे हैं। ऐसे में किसी भी नए संकट से उद्योग, परिवहन और घरेलू जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। ऊर्जा संकट का सबसे बड़ा असर यूरोप की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ऊर्जा की कीमत बढ़ने से उत्पादन लागत बढ़ जाती है, जिससे उद्योगों की प्रतिस्पर्धा क्षमता कमजोर हो जाती है। कई यूरोपीय उद्योग पहले ही ऊर्जा लागत के कारण एशिया और अमेरिका के मुकाबले दबाव महसूस कर रहे हैं। यदि यह संकट और गहराता है तो यूरोप की औद्योगिक वृद्धि प्रभावित हो सकती है और बेरोजगारी की समस्या भी बढ़ सकती है। इसके साथ ही ऊर्जा संकट का सामाजिक प्रभाव भी कम नहीं होता। जब बिजली और गैस की कीमतें बढ़ती हैं, तो इसका सीधा असर आम लोगों के जीवन पर पड़ता है। घरेलू बजट पर दबाव बढ़ता है और सरकारों को राहत योजनाएं लागू करनी पड़ती हैं। पिछले ऊर्जा संकट के दौरान यूरोप के कई देशों में सरकारों को बड़ी सब्सिडी देनी पड़ी थी ताकि लोगों को राहत मिल सके। इन परिस्थितियों ने यूरोप को यह सोचने के लिए मजबूर किया है कि उसे अपनी ऊर्जा नीति में दीर्घकालिक बदलाव करना होगा। कई देश अब अक्षय ऊर्जा स्रोतों—जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन—की ओर तेजी से बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। इसके साथ ही ऊर्जा बचत और ऊर्जा दक्षता बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। स्पष्ट है कि यूरोप के सामने ऊर्जा संकट केवल एक तात्कालिक चुनौती नहीं है, बल्कि यह भविष्य की रणनीति से जुड़ा हुआ प्रश्न है। यदि यूरोप समय रहते अपनी ऊर्जा व्यवस्था को विविध और आत्मनिर्भर बनाने में सफल होता है, तो वह आने वाले संकटों से बेहतर तरीके से निपट सकेगा। लेकिन यदि यह निर्भरता बनी रहती है, तो हर अंतरराष्ट्रीय तनाव उसके लिए नई परेशानी लेकर आएगा। अंततः यह कहा जा सकता है कि यूरोप में ऊर्जा संकट पर चल रही नई चर्चा केवल चिंता का संकेत नहीं है, बल्कि यह चेतावनी भी है कि वैश्विक राजनीति और ऊर्जा सुरक्षा का संबंध कितना गहरा हो चुका है। आने वाले समय में जो देश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और विविध स्रोतों पर आधारित व्यवस्था विकसित कर पाएंगे, वही आर्थिक और राजनीतिक रूप से अधिक स्थिर रहेंगे।

तेल व्यापार में युआन की दस्तक और बदलती वैश्विक राजनीति

डॉक्टर बबलू सोनकर
प्रांतीय चिकित्सा सेवा
उत्तर प्रदेश

यह भी स्पष्ट है कि ईरान और चीन के बीच बढ़ती निकटता केवल आर्थिक नहीं है, बल्कि इसके पीछे व्यापक भू-राजनीतिक समीकरण भी काम कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में तनाव और वैश्विक शक्ति संतुलन के बीच चीन धीरे-धीरे अपनी भूमिका बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। यदि तेल व्यापार में युआन की भूमिका बढ़ती है, तो यह चीन के लिए एक बड़ी रणनीतिक जीत होगी।

दुनिया की अर्थव्यवस्था में तेल केवल ऊर्जा का स्रोत नहीं है, बल्कि वह वैश्विक राजनीति और मुद्रा व्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार रहा है। पिछले कई दशकों से अंतरराष्ट्रीय तेल व्यापार मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर में होता आया है। इसी कारण "पेट्रो-डॉलर" व्यवस्था ने अमेरिका की आर्थिक शक्ति को मजबूत बनाए रखा है। लेकिन हाल के दिनों में ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि कुछ देश तेल का व्यापार चीनी मुद्रा युआन में करने पर विचार कर रहे हैं। विशेष रूप से ईरान द्वारा युआन में भुगतान की संभावना को लेकर दिए गए संकेतों ने इस बहस को और तेज कर दिया है। यदि यह प्रवृत्ति बढ़ती है तो इसका प्रभाव केवल तेल बाजार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और शक्ति संतुलन पर भी गहरा असर पड़ सकता है। अब तक दुनिया में तेल के अधिकांश सौदे डॉलर में होते रहे हैं। इसका मतलब यह है कि तेल खरीदने वाले देशों को पहले डॉलर की व्यवस्था करनी पड़ती है। इससे अमेरिकी डॉलर की मांग लगातार बनी रहती है और अमेरिका को अपनी मुद्रा के दम पर वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में एक विशेष स्थान प्राप्त होता है। लेकिन यदि तेल व्यापार का कुछ हिस्सा भी युआन में होने लगे तो डॉलर की इस पकड़ में ढील आ सकती है। यही कारण है कि चीन पिछले कई वर्षों से अपनी मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। ईरान द्वारा युआन में भुगतान की बात करना केवल आर्थिक निर्णय नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरी राजनीतिक रणनीति भी दिखाई देती है। पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के कारण ईरान लंबे समय से आर्थिक दबाव झेल रहा है। ऐसे में यदि वह तेल व्यापार के लिए डॉलर के बजाय युआन को स्वीकार करता है, तो वह अमेरिकी वित्तीय प्रणाली की पकड़ से कुछ हद तक बाहर निकल सकता है। इस प्रकार ईरान ने एक तरह से "एक तीर से दो निशाने" साधने की

कोशिश की है। एक ओर वह चीन के साथ अपने आर्थिक और राजनीतिक संबंधों को मजबूत कर सकता है, और दूसरी ओर अमेरिका के प्रभाव को चुनौती दे सकता है। चीन के लिए यह स्थिति अत्यंत लाभकारी साबित हो सकती है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद चीन की मुद्रा अभी तक वैश्विक व्यापार में उतनी प्रभावशाली नहीं रही है जितनी कि डॉलर या यूरो। यदि तेल जैसे बड़े और रणनीतिक बाजार में युआन का उपयोग बढ़ता है, तो यह चीन की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई मजबूती देगा। इसके साथ-साथ चीन की राजनीतिक स्थिति भी मजबूत होगी, क्योंकि जो देश युआन में व्यापार करेंगे वे धीरे-धीरे चीन की आर्थिक प्रणाली से अधिक जुड़ते चले जाएंगे। दूसरी ओर इसका असर अमेरिका की आर्थिक और राजनीतिक स्थिति पर भी पड़ सकता है। पेट्रो-डॉलर व्यवस्था ने लंबे समय तक अमेरिका को यह सुविधा दी है कि वह अपनी मुद्रा के बल पर वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रभाव बनाए रख सके। यदि तेल व्यापार का एक हिस्सा भी इस व्यवस्था से बाहर निकलता है, तो डॉलर की मांग में कमी आ सकती है। इससे डॉलर की कीमत और उसकी वैश्विक प्रतिष्ठा पर असर पड़ना स्वाभाविक है।

अमेरिका के भीतर भी इस विषय का राजनीतिक प्रभाव दिखाई दे सकता है। यदि डॉलर की स्थिति कमजोर होती है या वैश्विक व्यापार में उसकी भूमिका घटती है, तो इसका सीधा असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था और वहां की राजनीति पर पड़ेगा। ऐसी स्थिति में अमेरिकी नेतृत्व की नीतियों पर सवाल उठ सकते हैं। विशेष रूप से अमेरिका के राजनीतिक परिदृश्य में यह मुद्दा विवाद का कारण बन सकता है और वहां की सत्ता के खिलाफ आवाजें तेज हो सकती हैं। यह भी स्पष्ट है कि ईरान और चीन के बीच बढ़ती निकटता केवल आर्थिक नहीं है, बल्कि इसके पीछे व्यापक भू-राजनीतिक समीकरण भी काम कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में तनाव और वैश्विक शक्ति संतुलन के बीच चीन धीरे-धीरे अपनी भूमिका बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। यदि तेल व्यापार में युआन की भूमिका बढ़ती है, तो यह चीन के लिए एक बड़ी रणनीतिक जीत होगी।

हालांकि यह भी सच है कि वैश्विक मुद्रा व्यवस्था में बदलाव रातों-रात नहीं होता। डॉलर की पकड़ अभी भी बहुत मजबूत है और दुनिया के अधिकांश वित्तीय लेन-देन उसी में होते हैं। इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी कि युआन तुरंत डॉलर की जगह ले लेगा। लेकिन यह संकेत जरूर है कि दुनिया की आर्थिक व्यवस्था धीरे-धीरे बहुध्रुवीय दिशा में आगे बढ़ रही है। अंततः यह कहा जा सकता है कि तेल व्यापार में युआन की चर्चा केवल एक आर्थिक खबर नहीं है, बल्कि यह बदलती वैश्विक राजनीति का संकेत भी है। यदि यह प्रक्रिया आगे बढ़ती है तो इससे चीन की ताकत बढ़ेगी, डॉलर की स्थिति पर दबाव आएगा और अंतरराष्ट्रीय शक्ति संतुलन में नए समीकरण उभर सकते हैं। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह पहल वास्तव में वैश्विक मुद्रा व्यवस्था को बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होती है या फिर यह केवल एक सीमित प्रयोग बनकर रह जाती है।

हमारी गीता

श्राद्ध: पितरों के प्रति कृतज्ञता और हमारी परंपरा

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

श्रीमद्भगवद्गीता के प्रथम अध्याय में अर्जुन का विषाद केवल एक योद्धा का संशय नहीं, बल्कि एक गहरे सामाजिक और आध्यात्मिक संकट की अभिव्यक्ति है। अर्जुन भयभीत है कि कुलक्षय से कुलधर्म नष्ट हो जाएंगे, जिसका सीधा प्रभाव पितरों पर पड़ेगा। वह कहता है कि पिण्ड-तर्पण और श्राद्ध क्रियाएं लुप्त होने से पूर्वज पतित हो जाएंगे। यहाँ अर्जुन का दृष्टिकोण अत्यंत सूक्ष्म है; वह केवल युद्ध के परिणाम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के नैतिक पतन और सांस्कृतिक जड़ों के कट जाने की चिंता कर रहा है।

आज के 'यूज़ एंड थ्रो' (Use and Throw) के दौर में, जहाँ हम उपभोग को ही जीवन का एकमात्र लक्ष्य मान बैठे हैं, अर्जुन की यह चिंता हमें आईना दिखाती है। हमारा अस्तित्व स्वयं हमारे पूर्वजों की निरंतरता है। हमारा स्वभाव, हमारी बौद्धिक क्षमता और हमारे संस्कार—ये सब उनकी ही विरासत हैं। यदि आज हम वैभव में हैं, तो इसके पीछे उनकी पीढ़ियों का तप और त्याग है।

वास्तव में, श्राद्ध और तर्पण मात्र कर्मकांड नहीं, बल्कि एक गहरी कृतज्ञता की भावना है। हमारी संस्कृति में स्वयं के जन्मदिन के उत्सव से कहीं अधिक महत्व पितरों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने को दिया गया है। यह पितरों

के प्रति हमारी 'भावांजलि' है। हमारे पूर्वजों ने अत्यंत परिश्रम और प्रेम से हमारी संस्कृति की नींव रखी, एक आदर्श परंपरा का बगीचा तैयार किया। उस बगीचे को हरा-भरा रखना और उसे आने वाली पीढ़ियों को सौंपना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। यदि हम जीवन मूल्यों की इस विरासत को ठुकराते हैं, तो यह सीधे तौर पर पूर्वजों का अपमान है। अर्जुन को लग रहा था कि युद्ध से पितरों का पतन होगा, परंतु वास्तव में पितरों का पतन तब होता है जब हम उनकी स्मृतियों, आदर्शों और उन जीवन मूल्यों को विस्मृत कर देते हैं जिन्हें उन्होंने पीढ़ी-दर-पीढ़ी संजोया था। पिण्डोदक क्रिया का लुप्त होना सांस्कृतिक और नैतिक पतन का संकेत है।

हमें अपने पूर्वजों पर गर्व होना चाहिए। यह बोध कि हमारे वंशज हमें देख रहे हैं और हमारे कर्मों के आधार पर ही वे आगे बढ़ेंगे, हमें सदैव सजग रखता है।

शख्सियत | मल्हार राव होल्कर

होल्कर साम्राज्य के संस्थापक

मराठा साम्राज्य के गौरवशाली इतिहास में मल्हार राव होल्कर एक ऐसा नाम है जो अदम्य साहस, असाधारण वीरता और शून्य से शिखर तक पहुंचने की अद्भुत गाथा कहता है। 16 मार्च 1693 को महाराष्ट्र के पुणे जिले के एक छोटे से गांव 'होल' में जन्मे मल्हार राव का शुरुआती जीवन संघर्षों से भरा था। एक साधारण चरवाहा परिवार में जन्म लेने के बाद, समाज की सबसे निचली सीढ़ी से उठकर इंदौर के होल्कर राजवंश की स्थापना करना उनके दृढ़ संकल्प का प्रमाण है।

मल्हार राव की प्रतिभा और युद्ध कौशल को महान पेशवा बाजीराव प्रथम ने पहचाना। बाजीराव जानते थे कि साम्राज्य के विस्तार के लिए उन्हें ऐसे योद्धाओं की आवश्यकता है जो न केवल तलवार चलाना जानते हों, बल्कि रणनीतिक रूप से भी कुशल हों। मल्हार राव ने जल्द ही पेशवा का विश्वास जीत लिया और मराठा सेना के एक महत्वपूर्ण सेनापति बन गए। उत्तर भारत में मराठा शक्ति के प्रसार में उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने मालवा, राजपूताना और दिल्ली के अभियानों में अपनी वीरता का लोहा मनवाया। 1731 में जब उन्हें मालवा की सूबेदारी सौंपी गई, तो उन्होंने इंदौर को अपनी कर्मभूमि बनाया और एक नए राजवंश की नींव रखी।

मल्हार राव की महानता केवल युद्ध जीतने तक सीमित नहीं थी, बल्कि उनकी प्रशासनिक दूरदर्शिता और न्यायप्रियता ने उन्हें प्रजा का चहेता बना दिया। उन्होंने इंदौर को एक छोटे से व्यापारिक केंद्र से एक समृद्ध और सांस्कृतिक शहर के रूप में विकसित किया। वे अपनी प्रजा के प्रति इतने संवेदनशील थे कि उनके शासन में न्याय केवल कागजों पर नहीं, बल्कि धरातल पर दिखता था। एक योद्धा के भीतर छिपी इस करुणा ने ही उन्हें अन्य सेनापतियों से अलग खड़ा किया।

उनके जीवन का सबसे प्रेरक और क्रांतिकारी पक्ष उनकी प्रगतिशील सोच थी। जब उनके इकलौते पुत्र खांडेराव होल्कर का युद्ध में निधन हो गया, तो उस काल की क्रूर सामाजिक परंपरा के अनुसार उनकी पुत्रवधू अहिल्याबाई होल्कर सती होने जा रही थीं। मल्हार राव ने न केवल इस कुरीति का विरोध किया, बल्कि अहिल्याबाई को सती होने से रोककर उन्हें अपनी बेटी की तरह संरक्षण दिया। उन्होंने अहिल्याबाई के भीतर छिपे प्रशासनिक गुणों को पहचाना और उन्हें राजनीति, युद्ध और शासन संचालन का प्रशिक्षण दिया। यह उनकी महानता ही थी कि उन्होंने अपनी विरासत एक ऐसी महिला के हाथों में सौंपी, जिन्होंने आगे चलकर 'लोकमाता' के रूप में पूरे विश्व में ख्याति प्राप्त की।

पानीपत के तीसरे युद्ध जैसे कठिन समय में भी मल्हार राव ने अपनी चतुराई से मराठा शक्ति को पूरी तरह बिखरने से बचाया। उनके जीवन के अंतिम वर्ष भी संघर्ष और साम्राज्य की सुरक्षा में बीते। 20 मई 1766 को इस महान विभूति ने अंतिम सांस ली, लेकिन वे अपने पीछे एक ऐसा साम्राज्य और आदर्श छोड़ गए जो आज भी प्रेरणा देता है। मल्हार राव होल्कर का जीवन हमें सिखाता है कि संसाधनों की कमी या साधारण कुल में जन्म लेना आपकी सफलता में बाधक नहीं हो सकता। यदि आपके पास साहस, वफादारी और दूरगामी सोच है, तो आप इतिहास की धारा को मोड़ सकते हैं।

जीवन ऊर्जा

संयुक्त राज्य अमेरिका के चौथे राष्ट्रपति जेम्स मैडिसन का जन्म 16 मार्च 1751 को पोर्ट कॉनवे, वर्जीनिया में हुआ था। उनकी मृत्यु 28 जून 1836 को 85 वर्ष की आयु में उनके मॉंटपेलियर स्थित आवास पर हुई थी। वे अमेरिका के अंतिम जीवित ₹संस्थापक पिता₹ (Founding Father) थे, जिनके निधन पर पूरे देश ने एक युग के अंत के रूप में शोक व्यक्त किया था।

जेम्स मैडिसन : जन्म - 16 मार्च 1751 | जन्म

विवेक सभी संपत्तियों में सबसे पवित्र है

ज्ञान हमेशा अज्ञान पर शासन करेगा और जो लोग अपने स्वयं के शासक बनना चाहते हैं, उन्हें उस शक्ति से लैस होना चाहिए जो ज्ञान देता है। स्वतंत्रता का अस्तित्व तभी संभव है जब सत्ता को विभाजित किया जाए। यदि मनुष्य फरिश्ते होते, तो किसी सरकार की आवश्यकता नहीं होती। एक लोकप्रिय सरकार, बिना लोकप्रिय सूचना के, या उसे प्राप्त करने के साधनों के बिना, केवल एक प्रहसन या त्रासदी की प्रस्तावना है। विवेक सभी संपत्तियों में सबसे पवित्र है। युद्ध की शक्ति कार्यकारी शाखा के पास होना सबसे खतरनाक है। स्वतंत्रता के लिए खतरा घर पर संचित शक्ति से उतना ही है जितना बाहरी शत्रुओं से। संविधान का उद्देश्य सरकार को नियंत्रित करना है, न कि जनता को। अत्याचार वहां शुरू होता है जहां कानून का अंत होता है। धार्मिक स्वतंत्रता एक प्राकृतिक अधिकार है जिसे सरकार द्वारा छीना नहीं जा सकता। बहुमत का अत्याचार अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए सबसे बड़ा खतरा है। सशस्त्र राष्ट्र ही स्वतंत्र राष्ट्र रह सकता है। कानून की स्पष्टता नागरिकों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। सार्वजनिक ऋण आने वाली पीढ़ियों पर एक बोझ है जिसे सीमित रखा जाना चाहिए। सरकार का प्राथमिक कर्तव्य संपत्ति और अधिकारों की रक्षा करना है। शक्ति का केंद्रीकरण

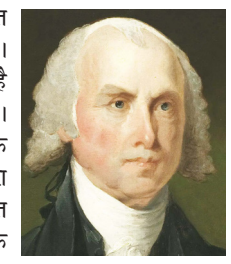

तानाशाही का दूसरा नाम है। सच्ची न्याय प्रणाली वह है जहाँ कानून सबके लिए समान हो। प्रेस की स्वतंत्रता सत्य को उजागर करने का सबसे सशक्त माध्यम है। लोकतंत्र की सफलता नागरिकों की जागरूकता पर निर्भर करती है। राजनीति में समझौते अनिवार्य हैं लेकिन सिद्धांतों पर नहीं। इतिहास हमें सिखाता है कि अनियंत्रित सत्ता हमेशा भ्रष्ट होती है। शांति ही राष्ट्र की समृद्धि का मार्ग है। संविधान एक जीवित दस्तावेज है जिसे समय के साथ समझना चाहिए। शिक्षा ही समाज की उन्नति का आधार है।

अपने विचार

आज जब हम कांशीराम जी की जयंती मना रहे हैं और उनके जीवन तथा योगदान को याद कर रहे हैं। मैं आपसे अनुरोध करने के लिए यह पत्र लिख रहा हूँ कि उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। उन्होंने लोगों को बताया था कि उनका वोट, उनकी आवाज़ और उनका प्रतिनिधित्व है और यह देश सभी का समान रूप से है।

राहुल गांधी
नेता, विपक्ष

सपा को दलितों पिछड़ों, मुस्लिम समाज के लोगों और उनके महापुरुषों की याद सिर्फ चुनाव के समय ही आती है लेकिन सरकार बन जाने के बाद वह उन्हें अन्य पार्टियों की ही तरह तिरस्कृत कर देती है। ये पार्टियां बहुजन समाज के लिए काम की कम और नाम की ज्यादा हैं।

मायावती
बसपा सुप्रीमो

बीजेपी के लोगों ने पांचवें उम्मीदवारों को जबरदस्ती मैदान में उतारा है। इस भरोसे से कि हम धनबल और तंत्र बल से इस चुनाव को जीत लेंगे। लेकिन भाजपा अपने मकसद में सफल नहीं होगी। कैसे वोट देना है और लाना है इसलिए सभी विधायक एक साथ बैठ कर बात कर रहे हैं।

शक्ति सिंह यादव
मुख्य प्रवक्ता, आरजेडी

ऐसी खबरें हैं कि VSR कंपनी के मालिक वी के सिंह, जो डेटा में छेड़छाड़ करने में माहिर माने जाते हैं, कथित तौर पर दुर्घटनाग्रस्त विमान के FDR डेटा में बदलाव करने की कोशिश कर रहे हैं।

रोहित पवार
नेता

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

श्रेष्ठ जीवन का आधार: सत्य, प्रसन्नता और हृदय की पवित्रता

मानव जीवन की वास्तविक श्रेष्ठता भौतिक उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसके नैतिक मूल्यों और आंतरिक दृढ़ता में निहित होती है। असत्य का आश्रय लेने वाला व्यक्ति संसार की दृष्टि में सफल प्रतीत हो सकता है, परंतु वह जीवन के वास्तविक आनंद से सदैव वंचित रहता है। असत्य व्यक्ति के आत्मबल को भीतर से खोखला और कमजोर बना देता है, क्योंकि झूठ को छिपाने का निरंतर भय उसे असुरक्षित रखता है। सत्य का मार्ग कठिन अवश्य हो सकता है, लेकिन इसी मार्ग पर चलकर व्यक्ति एक जिम्मेदार और आत्मविश्वासी व्यक्तित्व का निर्माण कर सकता है। जो लोग अपनी जिम्मेदारियों से बचते हैं, वे ही सबसे अधिक असत्य का सहारा लेते हैं, अतः सत्य को अपनाना ही श्रेष्ठ जीवन की पहली सीढ़ी है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सफलता का दूसरा महत्वपूर्ण स्तंभ कर्म के प्रति हमारा दृष्टिकोण है। उदासीन या बोझिल मन से किए गए किसी भी कार्य में कभी भी पूर्णता और कुशलता नहीं आ सकती। जब कर्म केवल एक दायित्व बन जाता है, तो उसमें रचनात्मकता का अभाव हो जाता है। इसलिए, यह अनिवार्य है कि हम अपने प्रत्येक कार्य को प्रसन्नता और उत्साह के साथ संपन्न करें। चेहरे पर बनी रहने वाली स्वाभाविक प्रसन्नता न केवल हमारे व्यक्तित्व को आकर्षक बनाती है, बल्कि यह हमारे भीतर की सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करती है। प्रसन्न मन से किया गया छोटा सा कार्य भी समाज पर गहरा और दूरगामी प्रभाव छोड़ता है।

हृदय की पवित्रता को यदि जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि कहा जाए, तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। निष्कपट, निर्दोष और निर्वैर भाव ही हृदय की वास्तविक शुद्धि के परिचायक हैं। जब हृदय में किसी के प्रति छल-कपट, ईर्ष्या या द्वेष की भावना नहीं होती, तब मनुष्य एक असीम शांति का अनुभव करता है। आज के युग में जहाँ लोग बाहरी दिखावे को महत्व देते हैं, वहाँ एक पवित्र हृदय का होना दुर्लभ और वंदनीय है। पवित्र हृदय से निकले विचार और किए गए कार्य स्वतः ही कल्याणकारी हो जाते हैं, क्योंकि उनमें स्वार्थ के स्थान पर सर्वहित की भावना सर्वोपरि होती है।

निष्कर्षतः, एक सुखी और श्रेष्ठ जीवन की त्रिवेणी—जिह्वा में सत्यता, चेहरे पर प्रसन्नता और हृदय में पवित्रता—में ही समाहित है। ये तीन तत्व मिलकर मनुष्य को उस आंतरिक शक्ति से भर देते हैं, जो उसे बड़ी से बड़ी बाधाओं का सामना करने के योग्य बनाती है।

सत्य हमें साहस देता है, प्रसन्नता हमें ऊर्जा प्रदान करती है और पवित्रता हमें ईश्वर के निकट ले जाती है। अतः हमें निरंतर यह प्रयास करना चाहिए कि हमारा आचरण इन मूल्यों के अनुरूप हो, ताकि हमारा जीवन स्वयं के लिए संतोषजनक और दूसरों के लिए अनुकरणीय बन सके।

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).

ब्रीफ न्यूज़

विवाद के बाद मुंबई महापौर की कार से लाल-नीली बत्तियां हटाईं गईं

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने सोशल मीडिया और सार्वजनिक आलोचना के बीच महापौर रितु तावड़े की आधिकारिक गाड़ी से लाल-नीली बत्तियां हटा दी हैं। बीएमसी ने कहा कि अन्य अधिकारियों के वाहनों से भी इसी तरह की बत्तियां हटा दी गई हैं। महापौर तावड़े को हाल ही में पदभार संभालने के बाद उपलब्ध कराए गए बहुउद्देशीय वाहन (एमपीवी) में लाल और नीली बत्तियां लगी थीं। ये बत्तियां आमतौर पर पुलिस और आपातकालीन वाहनों में ही इस्तेमाल होती हैं। सोशल मीडिया पर इसको लेकर सवाल उठाए गए और आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने इसे "अनधिकृत" बताया। विपक्ष ने तावड़े पर 'वीआईपी संस्कृति' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर ने तंज कसते हुए कहा कि महापौर लाल बत्ती के मोह का विरोध क्यों नहीं कर सकीं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जांच में पाया गया कि बत्तियां वाहन की छत पर नहीं बल्कि बोनट पर लगी थीं और महापौर को बेवजह निशाना बनाया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में अब कोई भी लाल बत्ती का इस्तेमाल नहीं करेगा।

धुले को 90 नई एसटी बसें, चार बस स्टेशनों का होगा आधुनिकीकरण

धुले। धुले जिले में एसटी यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। पालकमंत्री जयकुमार रावल की पहल से जिले को 90 नई एसटी बसों की मंजूरी मिल गई है। साथ ही दोडाइचा, शिंदखेडा, शिरपुर और पिंपलनेर बस स्टेशनों का आधुनिक ढांचे में आधुनिकीकरण किया जाएगा। मुंबई में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के साथ हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। दोडाइचा बस स्टेशन के विकास के लिए 7 करोड़ रुपए का फंड मंजूर किया गया, जबकि अन्य तीन बस स्टेशनों का आधुनिकीकरण PPP मॉडल पर होगा। फ्री वाई-फाई और मोबाइल वाजिंग पॉइंट,डिजिटल सूचना बोर्ड और ऑनलाइन टिकटिंग,स्वच्छ प्रतीक्षागृह, फूड कोर्ट, एटीएम और दवा दुकान,महिलाओं के लिए स्तनपान कक्ष और दिव्यांगों के लिए रैप,सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे और बेहतर निगरानी और पर्यावरण के लिए सौर ऊर्जा का इस्तेमाल।

धुलिया, साक्री और शिरपुर डिपोः 20-20 बसें
शिंदखेडा और दोहाइवा डिपोः 15-15 बसें
पालकमंत्री जयकुमार रावल ने कहा कि ये कदम ग्रामीण और शहरी यात्रियों की जीवनरेखा मजबूत करने और सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुरक्षित, आरामदायक और आधुनिक बनाने के लिए उठाए गए हैं।

मेयर की गाड़ी पर लाल-नीली बत्ती से विवाद

सोशल मीडिया पर उठा सवाल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की नवनियुक्त मेयर रितु तावड़े अपनी आधिकारिक गाड़ी पर लगी लाल-नीली बीकन लाइट को लेकर विवादों में घिर गई हैं। उनकी सरकारी महिंद्रा स्कॉर्पियो पर लगी फ्लैशर लाइट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों और राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे 'वीआईपी कल्चर' की वापसी बताते हुए सवाल उठाए हैं। गौरतलब है कि भारत सरकार ने मई 2017 में एक बड़ा फैसला लेते हुए आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर सभी सरकारी वाहनों पर लाल और नीली बत्ती के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया था। इस फैसले का उद्देश्य वीआईपी संस्कृति को खत्म करना और सभी नागरिकों के बीच समानता का संदेश देना था।

नियमों के उल्लंघन का आरोप

कानून के जानकारों और विपक्षी नेताओं का कहना है कि मेयर की गाड़ी पर इस तरह की लाइट लगाना केंद्रीय मोटर वाहन नियम का उल्लंघन हो सकता है। नियमों के अनुसार केवल पुलिस, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं को ही फ्लैशर लाइट का उपयोग करने की अनुमति है। ऐसे में एक प्रशासनिक पद पर बैठे व्यक्ति की गाड़ी पर इन लाइटों का इस्तेमाल सवालों के घेरे में आ गया है। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि परिवहन विभाग को इस मामले में संज्ञान लेना चाहिए और यदि नियमों का उल्लंघन हुआ है तो संबंधित वाहन पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

वीआईपी संस्कृति पर फिर बहस

आलोचकों का तर्क है कि 2017 में लिया गया फैसला नेताओं और अधिकारियों के बीच 'विशेषाधिकार' की भावना खत्म करने के लिए था। ऐसे में मेयर की गाड़ी पर पुलिस जैसी फ्लैशर लाइट दिखाई देना उस फैसले की भावना के विपरीत माना जा रहा है। इस घटना के बाद वीआईपी संस्कृति और नियमों के पालन को लेकर फिर से बहस शुरू हो गई है।

पुणे के होटलों को पाइप गैस से राहत की तैयारी

डीबीडी संवाददाता । पुणे

शहर में ईंधन की बढ़ती समस्या के बीच होटल और भोजनालय संचालकों को राहत देने के लिए पाइपलाइन के जरिए प्राकृतिक गैस उपलब्ध कराने की पहल शुरू की गई है। इस संबंध में महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड (एमएनजीएल) और होटल उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में होटल और रेस्टोरेंट को पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस यानी पीएनजी (PNG) उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों का कहना है कि इस व्यवस्था से होटल उद्योग की एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भरता कम होगी और गैस की आपूर्ति अधिक सुरक्षित तथा नियमित रूप से हो सकेगी।

वैश्विक हालात का असर

बैठक में बताया गया कि मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण तरलीकृत प्राकृतिक गैस की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसका असर ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ा है, जिससे विभिन्न उद्योगों और व्यावसायिक क्षेत्रों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति को देखते हुए गैस वितरण के लिए प्राथमिकताएं तय की गई हैं। अधिकारियों के अनुसार घरेलू उपयोग के लिए 100 प्रतिशत गैस आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, जबकि व्यावसायिक उपयोग के लिए लगभग 80 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

महाराष्ट्र उपचुनाव: बारामती और राहुरी में 23 अप्रैल को मतदान

अजित पवार के गढ़ में सियासी मुकाबला, 4 मई को आएंगे नतीजे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारत निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र की दो अहम विधानसभा सीटों बारामती और राहुरी पर उपचुनाव की घोषणा कर दी है। दोनों सीटों पर 23 अप्रैल 2026 को मतदान होगा और 4 मई को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। इन उपचुनावों को राज्य की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बारामती सीट अजित पवार के इस्तीफे के कारण खाली हुई है, जबकि राहुरी सीट भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवाजी कर्डीले के निधन के बाद रिक्त हुई थी। अधिसूचना 30 मार्च को जारी होगी, जबकि नामांकन की अंतिम तिथि 6 अप्रैल, जांच 7 अप्रैल और नाम वापसी की अंतिम तारीख 9 अप्रैल तय की गई है।

राहुरी में भाजपा-राकांपा के बीच मुकाबला

अहिल्यानगर (पूर्व अहमदनगर) जिले की राहुरी सीट पर हमेशा कड़ा मुकाबला देखने को मिलता है। 2019 में प्राजक्त तनपुरे ने यहां जीत दर्ज की थी, जबकि 2024 में भाजपा के शिवाजी कर्डीले ने यह सीट जीत ली थी। अक्टूबर 2025 में कर्डीले के निधन के बाद यहां उपचुनाव की स्थिति बनी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार इस कृषि प्रधान क्षेत्र में मराठा, माली और धनगर समुदाय के मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। भाजपा के लिए यह सीट बरकरार रखना प्रतिष्ठा का सवाल होगा, जबकि विपक्ष इसे अपने पक्ष में करने की कोशिश करेगा। इन दोनों सीटों के नतीजे न केवल स्थानीय राजनीतिक समीकरण तय करेंगे, बल्कि यह भी संकेत देंगे कि आगामी चुनावों के लिए महाराष्ट्र की राजनीति किस दिशा में आगे बढ़ सकती है।

बारामती में पवार परिवार की प्रतिष्ठा दांव पर

पुणे जिले की बारामती सीट महाराष्ट्र की सबसे हाई-प्रोफाइल सीटों में गिनी जाती है। यहां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का लंबे समय से मजबूत प्रभाव रहा है। 2019 के चुनाव में अजित पवार ने यहां से करीब 1.65 लाख वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी। सहकारी चीनी मिलों और कृषि संस्थानों के कारण पवार परिवार का क्षेत्र में मजबूत जनाधार माना जाता है।

महाराष्ट्र बन सकता है भारत की आर्थिक ताकत का मुख्य इंजन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि यदि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियाँ अनुकूल रहीं, तो वर्ष 2027 तक भारत के $5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में महाराष्ट्र लगभग $1.5 ट्रिलियन का महत्वपूर्ण योगदान देगा। मुंबई में आयोजित आई डाक आईडीएसी एक्सपो में बोलते हुए उन्होंने राज्य की मजबूत निवेश क्षमता, औद्योगिक विस्तार और विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचे को इसकी आर्थिक मजबूती का आधार बताया। शिंदे ने कहा कि राज्य में विकसित हो रहे मेट्रो कॉरिडोर, एक्सप्रेसवे, बंदरगाह और हवाई अड्डों जैसे परियोजनाएँ औद्योगिक

गतिविधियों को गति देने के साथ रोजगार सृजन और बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेंगी। मुंबई कोस्टल रोड, अटल सेतु, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और समृद्धि महामार्ग जैसे बड़े प्रोजेक्ट महाराष्ट्र को देश का प्रमुख निवेश और आर्थिक केंद्र बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में लगभग 2.96 लाख करोड़ के निवेश की उम्मीद है, जिससे करीब तीन लाख नए रोजगार सृजित हो सकते हैं। दावोस सहित विभिन्न वैश्विक मंचों पर राज्य द्वारा किए गए 30 लाख करोड़ के समझौता ज्ञापनों का रूपांतरण दर 75 प्रतिशत से अधिक होने की जानकारी भी उन्होंने दी। इस अवसर पर राज्य मंत्री पंकज भोयर ने किफायती और टिकाऊ आवास व्यवस्था पर सरकार के फोकस को रेखांकित किया। विशेषज्ञों ने भी शहरी विकास, नीति सुधार और बुनियादी ढाँचे में साझेदारी को भविष्य की आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक बताया। तीन दिवसीय आईडीएसी एक्सपो में 15 से 20 हजार आगंतुकों और 150 से अधिक विशेषज्ञों के शामिल होने की उम्मीद है, जहाँ शहरी विकास और टिकाऊ इंफ्रास्ट्रक्चर पर व्यापक चर्चा होगी।

नवरत्न : ब्रह्मांडीय ऊर्जा और प्रकृति की अनमोल धरोहर

भारतीय परंपरा में रत्नों को केवल सौंदर्य का प्रतीक नहीं, बल्कि ब्रह्मांडीय ऊर्जा के संवाहक के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। प्राचीन वैदिक ज्योतिष के अनुसार, हमारा जीवन ग्रहों की चाल और उनके प्रभावों से सीधे जुड़ा है। इन नौ ग्रहों की ऊर्जा को संतुलित करने के लिए प्रकृति ने हमें 'नवरत्न' प्रदान किए हैं। माणिक जहां सूर्य के ओज और नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करता है, वहीं मोती चंद्रमा की शीतलता और मन की शांति प्रदान करता है। इसी प्रकार मंगल के लिए मूंगा, बुध के लिए पन्ना, गुरु के लिए पुखराज, शुक्र के लिए

हीरा, शनि के लिए नीलम, राहु के लिए गोमेद और केतु के लिए लहसुनिया का महत्व है। ये रत्न मनुष्य के व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव लाने और जीवन में संतुलन स्थापित करने में सहायक माने जाते हैं। इन रत्नों की उत्पत्ति का रहस्य प्रकृति के अद्भुत निर्माण में छिपा है, जो इन्हें और भी विशिष्ट बनाता है। जहां हीरा, पन्ना और गोमेद पृथ्वी की गहराई में स्थित खदानों से अपनी चमक प्राप्त करते हैं, वहीं नीलम और पुखराज जैसे रत्न कठिन पर्वतीय क्षेत्रों की भूगर्भीय प्रक्रियाओं का परिणाम हैं। माणिक और लहसुनिया सदियों से बहती नदियों की तलहटी में अपनी आभा संजोते हैं, तो मोती और मूंगा समुद्र की गहराइयों में पल्लवित होने वाले जैविक रत्न हैं। यह विविधता इस बात का प्रमाण है कि नवरत्न वास्तव में पृथ्वी, पर्वत, नदियाँ और समुद्र जैसे पंचतत्वों का एक सूक्ष्म और शक्तिशाली सार हैं। आज के भागदौड़ भरे जीवन में, जब मानसिक तनाव और अनिश्चितता बढ़ रही है, तब ज्योतिषीय परामर्श के माध्यम से रत्नों का सही चयन और भी प्रासंगिक हो गया है। रत्न धारण करना केवल एक विश्वास नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी है, क्योंकि प्रत्येक रत्न का अपना एक विशिष्ट चुंबकीय क्षेत्र और ऊर्जा तरंगें होती हैं। जब एक उपयुक्त रत्न कुंडली की स्थिति के अनुसार धारण किया जाता है, तो वह ग्रहों के दुष्प्रभाव को कम कर व्यक्ति की निर्णय क्षमता, आत्मविश्वास और स्वास्थ्य में सुधार करता है। यह रत्नों और मनुष्य के बीच का एक ऐसा सेतु है, जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जीवंतता और स्पष्टता बनाए रखने में मदद करता है। अतः किसी भी रत्न को धारण करने से पहले अनुभवी विशेषज्ञ से कुंडली का विश्लेषण करवाना अनिवार्य है, क्योंकि गलत रत्न का चुनाव विपरीत प्रभाव भी डाल सकता है। रत्नों की गुणवत्ता, वजन और उन्हें धारण करने की विधि का सही ज्ञान ही आपको उनका पूर्ण लाभ दिला सकता है।

वैदिक ज्योतिषी अर्चना अग्रवाल

यदि आप भी अपने जीवन में रत्नों की ऊर्जा के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन लाना चाहते हैं और अपनी राशि के अनुरूप सही रत्न का चुनाव करना चाहते हैं, तो वैदिक ज्योतिषी अर्चना अग्रवाल से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी और सटीक रत्न परामर्श के लिए आप 9415038076 पर संपर्क कर सकते हैं।

राशिफल

प्रियंका जैन

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष कारोबारी नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्त्री कष्ट संभव। कलह से बचें। कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे। विवेक से कार्य बनेंगे। पेट रोग से पीड़ित होने की संभावना। वस्त्राभूषण की प्राप्ति के योग।

वृष बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। नेत्र पीड़ा की संभावना। धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा। शत्रु से परेशान होंगे। अपमान होने की संभावना। कष्ट की संभावना। धनहानि। कष्ट-पीड़ा। शारीरिक पीड़ा होगी।

मिथुन लेनदारी वसूल होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। शत्रु भय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी। नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी। मशक्कत करने से लाभ होगा। चिंता होगी।

कर्क प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। झंझटों में न पड़ें। आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना। शत्रु पराजित होंगे। लाभ होगा। स्वास्थ्य ठीक न हो। अनजाना भय सताएगा। राज्य से लाभ। शत्रु शांत होंगे।

सिंह लेन-देन में सावधानी रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना। कुसंग से हानि। धनागम सुखद रहेगा। प्रेमिका मिलेगी। कुछ आय होगी। माता को कष्ट रहेगा।

कन्या रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। लाभ होगा। अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी। शत्रु दबे रहेंगे। कलह-अपमान से बचें। संभावित यात्रा होगी। सावधानी बरतना होगी।

तुला यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। कानूनी बाधा दूर होगी। देव दर्शन होंगे। राज्य से लाभ होने की संभावना। मातृपक्ष की चिंता। वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें। धनागम की संभावना। मित्र मिलेंगे। विवाद न करें।

वृश्चिक भय, पीड़ा व भ्रम की स्थिति बन सकती है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना। लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा। दुःसमाचार प्राप्त होंगे। हानि तथा भय की संभावना, पराक्रम से सफलता, कलहकारी वातावरण बनेगा।

धनु आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। विवेक से कार्य करें। स्थानीय धर्मस्थल की परिवार के साथ यात्रा होगी। पार्टनर से मतभेद समाप्त होगा। नौकरी में अधिकारी का सहयोग तथा विश्वास मिलेगा।

मकर स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भागदौड़ रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। धनागम सुस्त रहेगा। कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। कुछ लाभ की संभावना। चिंताएं कुछ कम होंगी।

कुंभ आय में वृद्धि होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। विरोध की संभावना, धनहानि, गृहस्थी में कलह, रोग से घिरने की संभावना, कुछ कार्यसिद्धि की संभावना। चिंताएं जन्म लेंगी।

मीन जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। घर-बाहर अशांति रह सकती है। प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा के योग बनेंगे। कुछ कष्ट होने की संभावना। लाभ के योग बनेंगे। स्त्री वर्ग को कष्ट। कुसंग से कष्ट। कलहकारक दिन रहेगा। अपनी तरफ से बात को बढ़ावा न दें।

आत्मा का अधिपति सूर्य और जीवन की दिशा: जब कुंडली में सूर्य कमजोर हो तो कैसे बदल जाती है भाग्य, स्वास्थ्य और सम्मान की धारा

प्रियंका जैन
97699 94439

भारतीय ज्योतिष में सूर्य को केवल एक ग्रह नहीं, बल्कि समस्त ग्रहों का राजा और जीवन ऊर्जा का मूल स्रोत माना गया है। जिस प्रकार किसी राज्य में राजा की स्थिति मजबूत हो तो व्यवस्था सुचारु रूप से चलती है और यदि राजा दुर्बल हो जाए तो शासन की शक्ति कमजोर पड़ जाती है, उसी प्रकार मनुष्य की कुंडली में सूर्य की स्थिति उसके पूरे जीवन की दिशा को प्रभावित करती है। सूर्य आत्मा, चेतना, आत्मविश्वास, पिता, शासन, प्रतिष्ठा और जीवन शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यह वह ग्रह है जो व्यक्ति को भीतर से प्रकाश देता है और उसके व्यक्तित्व को समाज में पहचान दिलाता है। इसलिए ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को सृष्टि को चलाने वाला प्रत्यक्ष देवता कहा गया है, क्योंकि पृथ्वी पर समस्त जीवन सूर्य की ऊर्जा से ही संभव है। ज्योतिषीय दृष्टि से सूर्य का संबंध केवल भौतिक उपलब्धियों से ही नहीं, बल्कि व्यक्ति के आध्यात्मिक और मानसिक संतुलन से भी जुड़ा होता है। जब कुंडली में सूर्य बलवान होता है तो व्यक्ति आत्मविश्वासी, नेतृत्व क्षमता से युक्त, स्पष्टवादी और दृढ़ निश्चयी बनता है। ऐसा व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी अपनी राह बनाता है और समाज में सम्मान प्राप्त करता है। इसके विपरीत यदि सूर्य कमजोर या पाप ग्रहों से पीड़ित हो जाए तो व्यक्ति के जीवन में असंतुलन आने लगता है। आत्मविश्वास में कमी, स्वास्थ्य समस्याएं, पिता से दूरी या तनाव, सरकारी कार्यों में बाधा और सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी जैसी स्थितियां देखने को मिल सकती हैं।

सूर्य को पूर्वजों और पितरों का भी प्रतिनिधि माना गया है। यदि कुंडली में सूर्य पर शनि, राहु या केतु जैसे पाप ग्रहों का प्रभाव पड़ता है तो कई बार इसे पितृ दोष से भी जोड़ा जाता है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को जीवन में बार-बार बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। कभी-कभी प्रयास करने के बावजूद सफलता देर से मिलती है, परिवार में मानसिक तनाव बना रहता है या स्वास्थ्य से संबंधित परेशानियां बनी रहती हैं। ज्योतिष में यह माना जाता है कि सूर्य का संतुलन केवल भाग्य को ही नहीं, बल्कि परिवार की शांति और जीवन की दिशा को भी प्रभावित करता है।

सूर्य की शक्ति का संबंध व्यक्ति के कार्यक्षेत्र और नेतृत्व क्षमता से भी होता है। जो लोग प्रशासन, राजनीति, सरकारी सेवाओं या नेतृत्व से जुड़े कार्यों में आगे बढ़ते हैं, उनकी कुंडली में अक्सर सूर्य मजबूत पाया जाता है। सूर्य प्रधान व्यक्ति अनुशासनप्रिय, आत्मसम्मानी और जिम्मेदारी निभाने वाला होता है। वह परिस्थितियों से भागने के बजाय उनका सामना करना जानता है और समय के साथ अपने लक्ष्य तक पहुंचने का प्रयास करता है। बारह राशियों में सूर्य की शक्ति अलग-अलग प्रकार से प्रकट होती है। मेष राशि में सूर्य उच्च का माना जाता है, जहां वह अपनी पूरी ऊर्जा और तेज के साथ कार्य करता है। सिंह राशि सूर्य की स्वयं की राशि है, इसलिए यहां भी वह अत्यंत प्रभावशाली होता है। इसके अतिरिक्त धनु राशि में भी सूर्य को शुभ फल देने वाला माना गया है। जब कुंडली में सूर्य इन राशियों में स्थित हो और पाप ग्रहों से मुक्त हो, तब व्यक्ति को जीवन में स्थिर उन्नति, सम्मान और मानसिक दृढ़ता प्राप्त होती है।

न्यूज़ ब्रीफ

पुल से नदी में गिरा एमपी का युवक, मौत

प्रयागराज। जनपद के मेजा थाना क्षेत्र में टोंस नदी के पुल से गिरने के कारण एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की परिस्थितियों की जांच कर रही है। पुल से नीचे गिरने से हुई मौत घटना Tons River पर बने पुल के पास की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार युवक पुल से नीचे गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी, जिसके बाद थाना मेजा की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई। एमपी का रहने वाला था रजनीश सोन पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान रजनीश सोनी पुत्र मुन्ना लाल सोनी के रूप में हुई है। वह मध्य प्रदेश के रीवा जिले के ग्राम कलवारी, थाना सोहागी का निवासी था। बताया गया कि रजनीश पिछले कुछ समय से अपने ससुराल में रह रहा था और इलाज करा रहा था। इलाज के लिए ससुराल में रह रहा था रजनीश सोनी प्रयागराज जिले के मेजा क्षेत्र में स्थित अपने ससुराल, बनवारी लाल सोनी के घर पर रहकर उपचार करवा रहा था। परिजनों के अनुसार 15 मार्च 2026 की सुबह वह घर से निकला था। कुछ समय बाद यह जानकारी मिली कि वह कोहड़ार स्थित टोंस नदी के पुल से नीचे गिर गया है।

पहाड़ों में हिमपात और बारिश से बदला मौसम

देहरादून। उत्तराखंड में रविवार को मौसम ने अचानक करवट ली और पहाड़ से लेकर मैदानी इलाकों तक कई स्थानों पर बारिश दर्ज की गई। बारिश और बादलों की वजह से तापमान में गिरावट देखने को मिली है। राजधानी Dehradun और प्रसिद्ध पर्यटन स्थल Mussoorie में दिनभर रुक-रुक कर हुई बारिश से मौसम ठंडा हो गया। वहीं हिमालयी धाम Kedarnath Temple क्षेत्र में हल्की बर्फबारी भी दर्ज की गई, जिससे पहाड़ों में ठंड का असर बढ़ गया है। कई जिलों में तूफान का ऑरेंज अलर्ट मौसम विभाग ने प्रदेश के कई पर्वतीय जिलों के लिए तेज हवा और तूफान की चेतावनी जारी की है। के मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार 15 मार्च को जिलों के कुछ क्षेत्रों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। इन इलाकों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया।

चुनाव के समय आती है पीडीए की यादः मायावती

- कांशीराम की जयंती पर मायावती का विपक्ष पर निशाना
- बहुजन समाज का बसपा आंदोलन से जुड़ने का आह्वान

एजेंसी । लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम की 92वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बसपा प्रमुख मायावती ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसी पार्टियां बहुजन समाज के हितों की वास्तविक प्रतिनिधि नहीं हैं। इन दलों से बहुजन समाज के कल्याण की उम्मीद करना ऐसा है जैसे रेगिस्तान में पानी तलाशना। उन्होंने कार्यकर्ताओं और समर्थकों से इन दलों के दिखावे और राजनीतिक छलावे से सावधान रहने की अपील की।

कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग

कार्यक्रम के दौरान मायावती ने केंद्र सरकार से कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग भी दोहराई। उन्होंने कहा कि समतामूलक समाज की स्थापना और बहुजन समाज को राजनीतिक रूप से संगठित करने में कांशीराम का योगदान ऐतिहासिक रहा है।

विरोधी दलों की कथनी-करनी में अंतर

बसपा सुप्रीमो ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी सहित अन्य विरोधी दलों की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा कि ये दल चुनाव के दौरान बहुजन समाज को विभिन्न पदों और राजनीतिक अवसरों का लालच देकर वोट हासिल करने की कोशिश करते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद इन वर्गों के हितों की अनदेखी कर देते हैं।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि निजी लाभ और स्वार्थ के लिए पार्टी और आंदोलन से दगा करने वाले लोगों से भी दूरी बनाए रखना जरूरी है। मायावती ने कहा कि दलित, पिछड़े और मुस्लिम समाज के हितों की बात करने वाली कुछ पार्टियां केवल चुनावी समय में ही इन वर्गों को याद करती हैं।

बहुजन को आंदोलन से जुड़ने का आह्वान

राजधानी लखनऊ के मॉल एवेन्यू स्थित केंद्रीय कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि बहुजन समाज के लोगों को बसपा आंदोलन से जुड़कर मिशनरी अंबेडकरवादी बनने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज को अपने वोट की ताकत को पहचानना चाहिए और इसी शक्ति के माध्यम से सत्ता की "मास्टर चाबी" हासिल करनी चाहिए। उनके अनुसार बहुजन समाज पार्टी ही वह राजनीतिक दल है जो के विचारों और सिद्धांतों पर चलने का दावा करती है और सामाजिक न्याय की दिशा में कार्य कर रही है।

प्रदेश और अन्य राज्यों में कार्यक्रम

कांशीराम की जयंती के अवसर पर लखनऊ स्थित कांशीराम स्मारक स्थल पर प्रदेश के विभिन्न मंडलों से आए कार्यकर्ताओं और समर्थकों की बड़ी संख्या जुटी। इसके अलावा नोएडा में भी कई मंडलों के कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम आयोजित किया। राजधानी के कार्यक्रम में बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संबोधित किया।

दरोगा भर्तीः गिरोह ने टेलीग्राम पर बनाए थे तीन चैनल

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा के नाम पर अभ्यर्थियों से ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए यूपी एसटीएफ ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक कुल पांच आरोपियों पकड़े जा चुके हैं। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश के लिए एसटीएफ की टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह गिरोह अभ्यर्थियों को परीक्षा पास कराने का झांसा देकर लाखों रुपये की मांग करता था। एसटीएफ की मेरठ फील्ड यूनिट ने शनिवार देर रात मथुरा जिले के थाना राया क्षेत्र में मोहल्ला शिवपुरी स्थित रजनी लाइब्रेरी के पास से अनुज कुमार को गिरफ्तार किया। वह मथुरा के हवेली गांव का रहने वाला बताया गया है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक मोबाइल फोन, उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा के दो एडमिट कार्ड, अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के चार एडमिट कार्ड, आठ व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट और सामान्य ज्ञान की एक पुस्तक बरामद की गई है। पुलिस इन दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर गिरोह के नेटवर्क की पड़ताल कर रही है।

निजी परिसर में नमाज पढ़ने पर रोक नहीं: हाईकोर्ट

- प्रशासन को हस्तक्षेप न करने का निर्देश

एजेंसी । लखनऊ

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में स्पष्ट किया है कि किसी निजी संपत्ति के भीतर शांतिपूर्ण ढंग से धार्मिक गतिविधियां आयोजित करने या नमाज अदा करने पर कानूनन कोई प्रतिबंध नहीं है। यह निर्देश बदायूं निवासी अलिशेर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया।

याचिका के आधार पर अदालत का आदेश

यह निर्देश बदायूं निवासी अलिशेर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया। याचिकाकर्ता का कहना था कि उसकी निजी संपत्ति के एक हिस्से में वक्फ से जुड़ी मस्जिद 'रजा मस्जिद' स्थित है, जहां वह अपने परिजनों और स्थानीय मुस्लिम समुदाय के अन्य लोगों के साथ नियमित रूप से नमाज अदा करता है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी और पुलिसकर्मी उन्हें वहां नमाज पढ़ने से रोक रहे हैं तथा धार्मिक गतिविधियों में अनावश्यक हस्तक्षेप कर रहे हैं।

खंडपीठ ने पुराने फैसले से जताई सहमति

मामले की सुनवाई शेखर बी सराफ और विवेक शरण की खंडपीठ ने की। सुनवाई के दौरान अदालत ने एक समन्वय पीठ के पूर्व निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि किसी निजी परिसर में धार्मिक गतिविधियों के आयोजन पर कानून में कोई रोक नहीं है।

बहुजन समाज को सत्ता में लेनी होगी हिस्सेदारीः चंद्रशेखर

एजेंसी । बाराबंकी

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में आयोजित एक जनसभा में चंद्रशेखर आजाद ने बहुजन समाज से राजनीतिक रूप से संगठित होकर सत्ता में भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि लोकतंत्र में अधिकारों की लड़ाई अब तलवारों से नहीं बल्कि मतदान के जरिए लड़ी जाती है। इसलिए बहुजन समाज को अपने वोट की ताकत को समझते हुए राजनीतिक नेतृत्व हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम का आयोजन शहर के निकट हैदरगढ़ रोड स्थित मजीठा क्षेत्र में किया गया, जहां बहुजन समाज के नेता Kanshi Ram की जयंती और पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक जुटे। जनसभा को संबोधित करते हुए चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि बहुजन समाज को सामाजिक और राजनीतिक रूप से मजबूत बनाने का सपना कांशीराम ने देखा था और आज उसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी नई पीढ़ी पर है। अपने संबोधन में उन्होंने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं।

गाड़ी पर पत्थर फेंके जाने का लगाया आरोप

चंद्रशेखर आजाद ने दावा किया कि बाराबंकी पहुंचने के दौरान रास्ते में उनकी गाड़ी पर पत्थर फेंके गए। उन्होंने कहा कि यह हमला व्यक्तिगत रूप से उन पर नहीं बल्कि उन दावों पर है, जिनमें प्रदेश में मजबूत कानून व्यवस्था की बात कही जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्वस्थ माहौल के लिए ठीक नहीं हैं। भ्रष्टाचार और न्याय व्यवस्था पर भी सवाल सभा के दौरान उन्होंने सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार के मुद्दे को भी उठाया। उनका कहना था कि आम नागरिकों को अपने काम के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हैं और कई बार उन्हें न्याय पाने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की जरूरत।

परीक्षा में सावधानी बरतें भर्ती बोर्डः योगी आदित्यनाथ

- उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा के विवादित प्रश्न पर सख्त हुए मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा में पूछे गए एक विवादित प्रश्न को लेकर प्रदेश सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी भर्ती बोर्डों के अध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि किसी भी परीक्षा के प्रश्नपत्र में किसी व्यक्ति, जाति, पंथ या संप्रदाय की मर्यादा और आस्था के संबंध में आपत्तिजनक या अमर्यादित टिप्पणी किसी भी स्थिति में शामिल नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की लापरवाही न केवल अस्वीकार्य है बल्कि समाज में अनावश्यक विवाद भी उत्पन्न कर सकती है। मुख्यमंत्री ने भर्ती बोर्डों के अध्यक्षों को निर्देशित किया।

परीक्षा केंद्रों के साथ समझौते में जोड़ें शर्त

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि परीक्षा केंद्रों के साथ होने वाले समझौता ज्ञापनों (एमओयू) में भी इस विषय से संबंधित शर्त को शामिल किया जाए। इससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि परीक्षा से जुड़े सभी संस्थान और जिम्मेदार लोग संवेदनशीलता और अनुशासन का पालन करें।

पेपर सेटर्स को सतर्क रहने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने भर्ती बोर्डों के अध्यक्षों को निर्देशित किया कि वे इस मामले का संज्ञान लेते हुए सभी पेपर सेटर्स और संबंधित अधिकारियों को विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दें। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र तैयार करते समय भाषा, संदर्भ और सामाजिक संवेदनशीलता का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। इस प्रकरण के सामने आने के बाद प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा था कि यदि किसी प्रश्न के कारण किसी वर्ग या समुदाय की भावनाएं आहत होती हैं तो इसकी गंभीर जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अंतिम चरण में मतदाता सूची, कल तक होगी सुनवाई

- अब केवल 6125 मामलों की सुनवाई शेष

एजेंसी । प्रयागराज

उत्तर प्रदेश में चल रहे मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत प्रयागराज जिले में प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। अब तक अधिकांश नोटिसों की सुनवाई पूरी कर ली गई है और केवल 6,125 मामलों की सुनवाई शेष रह गई है। जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि इन सभी मामलों का निस्तारण 17 मार्च तक कर लिया जाए, ताकि मतदाता सूची को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके।

अधिकांश मामलों की सुनवाई पूरी

अभियान के तहत जिले में नो-मैपिंग और तार्किक विसंगति वाले मतदाताओं को कुल 10,62,435 नोटिस जारी किए गए थे। इनमें से अब तक 10,56,310 नोटिसों के जवाबों पर सुनवाई पूरी कर ली गई है, जो कुल मामलों का लगभग 99 .42 प्रतिशत है।

व्यापार जगत

छोटे खाद्य कारोबारियों को सरकार ने दी बड़ी राहत

अब FSSAI पंजीकरण की सीमा 1.5 करोड़

- एक अप्रैल से प्रभावी होंगे पंजीकरण के नए नियम

एजेंसी । नई दिल्ली

छोटे खाद्य व्यवसायों और स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को राहत देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने खाद्य सुरक्षा से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। नए प्रावधानों के तहत अब छोटे कारोबारियों के लिए बेसिक पंजीकरण की टर्नओवर सीमा में बड़ी बढ़ोतरी की गई है। सरकार ने Food Safety and Standards Authority of India (एफएसएसएआई) के बेसिक रजिस्ट्रेशन की सीमा 12 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.5 करोड़ रुपये कर दी है। इससे छोटे रेस्तरां, ढाबा संचालक, किराना आधारित खाद्य विक्रेता और अन्य लघु खाद्य व्यवसायियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन बदलावों से एक ओर छोटे व्यवसायियों को राहत मिलेगी, वहीं दूसरी ओर खाद्य सुरक्षा के मानकों को भी बनाए रखने में मदद मिलेगी। सरकार का उद्देश्य यह है कि छोटे उद्यमियों को प्रोत्साहन दिया जाए और साथ ही उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य उत्पाद उपलब्ध कराए जाएं। खाद्य सुरक्षा मानकों को प्रभावी बनाए रखने के लिए एक नई तकनीक आधारित जोखिम मूल्यांकन निरीक्षण प्रणाली भी लागू की जाएगी।

छोटे व्यापारियों के लिए आसान प्रक्रिया

नए नियमों के लागू होने के बाद जिन खाद्य व्यवसायों का वार्षिक टर्नओवर 1.5 करोड़ रुपये तक है, उन्हें केवल बेसिक पंजीकरण कराना होगा। पहले यह सीमा मात्र 12 लाख रुपये थी, जिसके कारण कई छोटे व्यापारियों को जटिल लाइसेंसिंग प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था। सरकार का मानना है कि सीमा बढ़ाने से छोटे व्यापारियों पर कागजी कार्यवाही का बोझ कम होगा और उन्हें कारोबार बढ़ाने में आसानी होगी।

स्ट्रीट वेंडर्स को भी मिला बड़ा लाभ

सरकार ने स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए भी बड़ी राहत की घोषणा की है। Street Vendors (Protection of Livelihood and Regulation of Street Vending) Act, 2014 के तहत नगर निगमों या टाउन वेंडिंग समितियों में पंजीकृत स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को अब स्वत: ही एफएसएसएआई में पंजीकृत माना जाएगा। इस प्रावधान के बाद ऐसे विक्रेताओं को अलग से एफएसएसएआई पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे लाखों स्ट्रीट वेंडर्स के लिए प्रक्रिया सरल हो जाएगी।

व्यवसाय का प्रकार वार्षिक टर्नओवर सीमा

सरकार ने लाइसेंसिंग ढांचे को भी अधिक स्पष्ट और व्यवस्थित बनाया है। संशोधित नियमों के अनुसार अब कारोबार के टर्नओवर के आधार पर तीन स्तर की व्यवस्था लागू होगी। इसमें बेसिक रजिस्ट्रेशन 1.5 करोड़ रुपये, राज्य लाइसेंस डेढ़ से 50 करोड़ और केंद्रीय लाइसेंस के लिए 50 करोड़ रुपये से अधिक का टर्नओवर होना अनिवार्य है।

अडानी टोटल ने घटाए प्राकृतिक गैस के दाम

- आज से उद्योगों को मिलेगी बड़ी राहत

एजेंसी । नई दिल्ली

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता के बीच उद्योग जगत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अटानी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) ने अतिरिक्त प्राकृतिक गैस की कीमतों में उल्लेखनीय कटौती करने की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार नई दरें 16 मार्च 2026 की सुबह 6 बजे से लागू होंगी। कंपनी द्वारा लिए गए इस फैसले के बाद अतिरिक्त गैस की कीमतों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। जो गैस कुछ दिन पहले तक लगभग 119.90 रुपये प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर (SCM) के करीब बिक रही थ।

औद्योगिक इकाइयों को होगा फायदा

कंपनी द्वारा घोषित इस कटौती का सीधा लाभ उन बड़े औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को मिलेगा, जो अपनी निर्धारित गैस खपत सीमा से अधिक गैस का उपयोग करते हैं। कंपनी के दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्धारित कोटे से अधिक इस्तेमाल की जाने वाली गैस को "एक्स्ट्रा गैस" की श्रेणी में रखा जाता है। पहले इस अतिरिक्त खपत के लिए उद्योगों को स्पॉट मार्केट के आधार पर अधिक कीमत चुकानी पड़ती थी। नई दरें लागू होने के बाद ऐसे उद्योगों की ऊर्जा लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी। जिन औद्योगिक इकाइयों का उत्पादन प्राकृतिक गैस पर आधारित है।

पहले था खपत सीमित करने का नियम

अब अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में कुछ नरमी देखने को मिल रही है। कंपनी प्रबंधन के अनुसार अपस्ट्रीम गैस की कीमतों में गिरावट आने के कारण लागत कम हुई है और उसी का लाभ ग्राहकों को दिया जा रहा है। कंपनी ने अपने ग्राहकों को भेजे संदेश में कहा है कि इस कदम का उद्देश्य केवल व्यावसायिक लाभ कमाना नहीं बल्कि मौजूदा आपूर्ति परिस्थितियों के बीच गैस वितरण व्यवस्था को संतुलित बनाए रखना भी है। इससे उद्योगों के लिए उत्पादन लागत को नियंत्रित करना आसान होगा और ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था में स्थिरता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

विदेशी निवेशकों ने मार्च के पहले पखवाड़े में निकाले 52,700 करोड़

- पश्चिम एशिया तनाव के बीच विदेशी निवेशकों की बड़ी बिकवाली

एजेंसी । नई दिल्ली

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, रुपये की कमजोरी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से बड़ी मात्रा में पूंजी निकाल ली है। मार्च के पहले पखवाड़े में विदेशी निवेशकों ने घरेलू इक्विटी बाजार से लगभग 52,704 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है, जिससे बाजार में दबाव का माहौल बना हुआ है।

फरवरी में दिखी थी मजबूत खरीदारी

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक मार्च की बिकवाली से पहले फरवरी में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में मजबूत निवेश किया था। उस महीने एफपीआई ने लगभग 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया, जो पिछले 17 महीनों में सबसे बड़ा मासिक निवेश माना गया। हालांकि इससे पहले लगातार तीन महीनों तक विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में बिकवाली करते रहे थे।

मार्केट कैपः एक हफ्ते में 4.48 लाख करोड़ घटा

- शेयर बाजार की गिरावट से देश की शीर्ष कंपनियों को बड़ा झटका

एजेंसी । नई दिल्ली

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में आई तेज गिरावट का असर देश की प्रमुख कंपनियों के बाजार पूंजीकरण पर भी साफ दिखाई दिया। बाजार में लगातार बिकवाली के कारण शीर्ष 10 कंपनियों का संयुक्त मार्केट कैप करीब 4.48 लाख करोड़ रुपये कम हो गया। इस गिरावट का सबसे अधिक प्रभाव बैंकिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों पर पड़ा, जिनमें State Bank of India और HDFC Bank को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा।

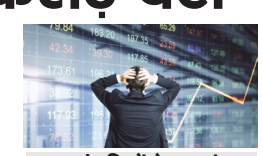

अन्य कंपनियों के मूल्यांकन में भी गिरावट

बाजार में आई गिरावट के चलते कई बड़ी कंपनियों के मार्केट कैप में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। State Bank of India का बाजार पूंजीकरण लगभग 89,306 करोड़ रुपये घटकर करीब 9.66 लाख करोड़ रुपये रह गया। वहीं HDFC Bank का मार्केट कैप 61,715 करोड़ रुपये कम होकर करीब 12.57 लाख करोड़ रुपये पर आ गया।

ईंधन कीमतें स्थिर रखने की कवायद

- तेल कंपनियां रिफाइनरियों से सस्ता पेट्रोल-डीजल खरीदने पर कर रहीं विचार

एजेंसी । नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल के खुदरा दाम स्थिर बने हुए हैं। ऐसे में सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियां अपने बढ़ते घाटे को नियंत्रित करने के लिए नई रणनीति पर विचार कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार तेल विपणन कंपनियां रिफाइनरियों से पेट्रोल और डीजल को आयातित दरों से कम कीमत पर खरीदने का विकल्प तलाश रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह प्रस्ताव लागू होता है तो इससे कुछ स्वतंत्र या सिंगल रिफाइनरी कंपनियों के मुनाफे पर दबाव पड़ सकता है। इनमें प्रमुख रूप से मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लिमिटेड, चेन्नई पेट्रोलियम कार्पोरेशन और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी जैसी कंपनियां शामिल हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। कुछ समय पहले तक वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत करीब 70 डॉलर प्रति बैरल थी, जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच चुकी है। हालांकि, इस बढ़ोतरी के बावजूद भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है।

रिफाइनरी ट्रांसफर प्राइस पर पुनर्विचार

मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार तेल विपणन कंपनियां अब रिफाइनरी ट्रांसफर प्राइस (RTP) व्यवस्था की समीक्षा कर सकती हैं। RTP वह आंतरिक मूल्य होता है जिस पर रिफाइनरियां अपने ही समूह की मार्केटिंग इकाइयों को ईंधन की आपूर्ति करती हैं। नई रणनीति के तहत कंपनियां RTP पर कुछ सीमा तय करने या उस पर छूट देने के विकल्प पर विचार कर रही हैं। इसका उद्देश्य पेट्रोल और डीजल की कीमत को आयात समानता लागत से कम स्तर पर रखना है, ताकि विपणन कंपनियों पर पड़ने वाला आर्थिक दबाव कम किया जा सके।

सरफराज का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

पाकिस्तान को चैंपियन बनाने वाले कप्तान ने क्रिकेट को कहा

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को 2017 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जिताने वाले पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज सरफराज अहमद ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। 38 वर्षीय सरफराज ने रविवार 15 मार्च को अपने रिटायरमेंट का ऐलान किया। पाकिस्तान के लिए उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट टीम के साथ था। सरफराज ने पाकिस्तान के लिए 100 से अधिक मैचों में कप्तानी की और उनकी अगुवाई में टीम ने 2017 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2017 के फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम हराकर खिताब जीता था।

नस्लभेदी टिप्पणी पर लगा था बैन

सरफराज अपने करियर में कई बार विवादों में भी रहे। 2019 में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान उन्होंने एंडिले फेलुकवायो पर नस्लभेदी टिप्पणी कर दी थी, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उन्हें चार मैचों के लिए निलंबित कर दिया था।

ऐसा रहा अंतरराष्ट्रीय करियर

सरफराज अहमद ने 2007 में वनडे क्रिकेट से पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। बाद में 2010 में टेस्ट और टी20 टीम में भी जगह बनाई। उन्होंने पाकिस्तान के लिए कुल 232 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें 6164 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 6 शतक और 35 अर्धशतक निकले।

इससे पहले वह 2006 में आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2006 में पाकिस्तान को चैंपियन बना चुके थे, जहां फाइनल में भारत को ही हराया गया था।

दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम ने पहला टी20 जीता

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को 91 रन पर समेटा, सात विकेट से दर्ज की जीत

एजेंसी । माउंट मोनगानुई

दक्षिण अफ्रीका ने शानदार गेंदबाजी के दम पर न्यूजीलैंड को पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सात विकेट से हरा दिया। मेजबान टीम को 14.3 ओवर में सिर्फ 91 रन पर समेटने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने 20 गेंद शेष रहते तीन विकेट पर 93 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।दक्षिण अफ्रीका की ओर से पदार्पण कर रहे सलामी बल्लेबाज कोनोर एस्टरहुइजेन ने 48 गेंद में नाबाद 45 रन की पारी खेली, जबकि डियान फोरेस्टर 16 रन बनाकर नाबाद रहे। एस्टरहुइजेन ने 17वें ओवर में काइल जेमीसन की गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई।

न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी रही कमजोर

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। पावर प्ले के अंदर ही टीम ने पांच विकेट गंवा दिए और पूरी टीम 91 रन पर सिमट गई।दक्षिण अफ्रीका के लिए नकोबानी मोकोएना ने तीन विकेट झटके, जबकि गेराल्ड कोएट्जी और ओटनील बार्टमैन ने दो-दो विकेट हासिल किए।
न्यूजीलैंड की ओर से जिमी नीशाम ने 26 रन बनाए, जबकि मिचेल सेंटनर ने 15 रन का योगदान दिया। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 26 रन की साझेदारी की, जो पारी की सबसे बड़ी साझेदारी रही।गौरतलब है कि न्यूजीलैंड की विश्व कप टीम के आठ खिलाड़ी इस श्रृंखला का हिस्सा नहीं हैं, जिनमें भारत के खिलाफ फाइनल खेलने वाले शीर्ष छह बल्लेबाज भी शामिल हैं।

मर्सीडीज के किमी एंटोनेली ने चीन ग्रां प्री में पहली जीत दर्ज की

एजेंसी । शंघाई

किमी एंटोनेली ने रविवार को हुई चीन ग्रां प्री में मर्सीडीज के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की जिससे वह फॉर्मूला वन के दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता बन गए। इटली के 19 वर्षीय एंटोनेली पोल पोजिशन से शुरुआत करने वाले सबसे कम उम्र के ड्राइवर थे। रेस की शुरुआत में कुछ समय के लिए फेरारी के लुईस हैमिल्टन ने बढ़त बनाई लेकिन जल्द ही एंटोनेली ने फिर से बढ़त बना ली। इसके बाद पूरी रेस पर उनका ही नियंत्रण रहा। सत्र की शुरुआत में मर्सीडीज के लिए यह एक और पहले-दूसरे स्थान वाला प्रदर्शन रहा।एंटोनेली के साथी जॉर्ज रसेल ने फेरारी ड्राइवरों के साथ कड़ा मुकाबला करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया।लुईस हैमिल्टन तीसरे स्थान पर रहे। फेरारी के लिए यह लंबे समय में पहला ग्रां प्री पोडियम स्थान रहा।कम उम्र में ग्रां प्री जीतने वाले एकमात्र ड्राइवर मैक्स वर्स्टापेन हैं जिन्होंने 2016 में जब अपनी पहली जीत हासिल की थी तब उनकी उम्र 18 साल थी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पास इतिहास रचने का मौका

चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस की बराबरी कर सकती है आरसीबी

एजेंसी । मुंबई

आईपीएल 2025 में पहली बार खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अब इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। 18 साल के लंबे इंतजार के बाद ट्रॉफी जीतने वाली आरसीबी के पास अब लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का सुनहरा मौका है।

आईपीएल इतिहास में अब तक सिर्फ दो टीमें ही लगातार दो सीजन में खिताब जीत सकी हैं। चेन्नई सुपर किंग्स ने 2010 और 2011 में बैक टू बैक ट्रॉफी जीती थी, जबकि मुंबई इंडियंस ने 2019 और 2020 में यह उपलब्धि हासिल की। अगर आरसीबी 2026 का खिताब जीतती है, तो वह इन दोनों टीमों की बराबरी कर सकती है।

मजबूत स्क्वॉड से बढ़ी उम्मीदें

टीम की कमान रजत पाटीदार के हाथों में है, जबकि बल्लेबाजी में विराट कोहली सबसे बड़ा सहारा हैं। इसके अलावा जितेश शर्मा, फिल सॉल्ट, टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड जैसे मैच विनर खिलाड़ी टीम को मजबूती देते हैं। युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल से भी इस सीजन बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

नए खिलाड़ियों से बढ़ी ताकत

आईपीएल 2026 के लिए आरसीबी ने कुछ नए खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया है। वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी और मंगेश यादव के आने से टीम और मजबूत हुई है। गेंदबाजी विभाग में जोश हेजलवुड, भुवनेश्वर कुमार और नुवान तुषारा जैसे अनुभवी गेंदबाज अहम भूमिका निभा सकते हैं।मजबूत बल्लेबाजी, अनुभवी गेंदबाजी और संतुलित टीम संयोजन के दम पर आरसीबी के पास इस बार लगातार दूसरी बार आईपीएल ट्रॉफी जीतकर इतिहास रचने का बड़ा अवसर है।

नारी कॉन्ट्रैक्टर को अवॉर्ड देते समय भावुक हुए सुनील गावस्कर

एजेंसी । मुंबई

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर एक अवॉर्ड समारोह के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान नारी कॉन्ट्रैक्टर को सम्मानित करते समय भावुक हो गए। 92 वर्षीय कॉन्ट्रैक्टर को समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड (मेन्स) से सम्मानित किया गया। अवॉर्ड देते हुए गावस्कर ने कहा कि नारी कॉन्ट्रैक्टर से उन्होंने साहस और जुझारूपन का असली मतलब सीखा।गावस्कर ने बताया कि कॉन्ट्रैक्टर की एक सलाह ने उनके करियर पर गहरा असर डाला था। उन्होंने कहा था कि जब भी कोई खिलाड़ी अच्छा खेले, उस दिन की हर छोटी-बड़ी बात डायरी में लिखे। खराब दौर में वही डायरी आत्मविश्वास लौटाने में मदद करती है।

शानदार रहा अंतरराष्ट्रीय करियर

नारी कॉन्ट्रैक्टर का जन्म 7 मार्च 1934 को गुजरात के गोधरा में हुआ था। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज कॉन्ट्रैक्टर ने 1955 से 1962 के बीच भारत के लिए 31 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 31.58 की औसत से 1611 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं।कॉन्ट्रैक्टर भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे युवा कप्तानों में से एक रहे।

गंभीर चोट के बाद भी नहीं टूटा हौसला

1962 में वेस्टइंडीज दौरे के दौरान बारबाडोस में खेले गए एक मैच में तेज गेंदबाज चार्ली ग्रिफिथ की बाउंसर उनके सिर पर लगी, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई और उनका करियर लगभग खत्म हो गया। हालांकि जीवन के खतरे से उबरने के बाद उन्होंने फिर से प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलकर अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया।

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में भी शानदार रिकॉर्ड

कॉन्ट्रैक्टर का प्रथम श्रेणी करियर भी बेहद शानदार रहा। उन्होंने 138 मैचों में 39.86 की औसत से 8611 रन बनाए, जिसमें 22 शतक शामिल हैं। उन्होंने 1970-71 रणजी ट्रॉफी में गुजरात टीम की कप्तानी भी की।भारतीय क्रिकेट में योगदान के लिए उन्हें 2007 में कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया।

फॉर्मूला वन की बहरीन और सऊदी रेस रद्द

ईरान युद्ध के कारण सुरक्षा चिंता

एजेंसी । शंघाई

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच फॉर्मूला वन ने बड़ा फैसला लेते हुए अप्रैल में होने वाली बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री रेस रद्द कर दी हैं। फॉर्मूला वन और इसकी संचालन संस्था फेडरेशन इंटरनेशनेल डे ल'ऑटोमोबाइल (FIA) ने कहा कि क्षेत्र में चल रहे संघर्ष और सुरक्षा चिंताओं के कारण यह निर्णय लिया गया है।

सुरक्षा को प्राथमिकता

स्टेफानो डोमेनिकाली ने कहा कि यह फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन क्षेत्र की स्थिति को देखते हुए यही सही कदम है। वहीं एफआईए के अध्यक्ष मोहम्मद बेन सुलेयम ने कहा कि संगठन अपने समुदाय और सहयोगियों की सुरक्षा को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।गौरतलब है कि बहरीन में 12 अप्रैल और सऊदी अरब के जेद्दा में 19 अप्रैल को ग्रां प्री रेस आयोजित होनी थी। लेकिन ईरान से जुड़े युद्ध और क्षेत्रीय तनाव के कारण इन आयोजनों को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है।

बॉलीवुड

आमिर खान 61 के हुए परिवार संग मनाया जन्मदिन

बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान ने 14 मार्च को अपना 61वां जन्मदिन परिवार और करीबी दोस्तों के साथ सादगी से मनाया। इस खास मौके पर उनके साथ पूरा परिवार मौजूद रहा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान भी इस बर्थडे सेलिब्रेशन में शामिल हुए और उन्होंने पार्टी का एक इनसाइड वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। इरफान पठान ने वीडियो साझा करते हुए आमिर खान को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा कि आमिर भाई को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। साथ ही उन्होंने आमिर की बेटी आयरा खान द्वारा मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे काम की भी सराहना की। बताया गया कि यह वीडियो आयरा के पति नुपुर शिखरे ने शूट किया था। आमिर खान के जन्मदिन के जश्न में उनकी दोनों पूर्व पत्नियां रीना दत्ता और किरण राव भी नजर आईं। इसके अलावा उनकी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट भी पार्टी में शामिल हुईं। इस मौके पर आमिर के तीनों बच्चे-आयरा खान, जुनैद खान और आजाद राव खान भी मौजूद रहे और पिता का जन्मदिन पूरे उत्साह के साथ मनाया।वर्कफ्रंट की बात करें तो आमिर खान इन दिनों अपने बेटे जुनैद खान की फिल्म 'एक दिन' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसके अलावा वह अपने प्रोडक्शन की फिल्म लाहौर 1947 को लेकर भी चर्चा में हैं, जिसमें सनी देओल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म 15 अगस्त के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सुनील ग्रोवर की मिमिक्री का जादू कादर खान बनकर जीता दिल

कॉमेडियन और अभिनेता सुनील ग्रोवर एक बार फिर अपनी मिमिक्री के चलते चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने दिवंगत अभिनेता कादर खान की शानदार नकल उतारकर दर्शकों और सेलेब्रिटीज का दिल जीत लिया।हाल ही में द ग्रेट इंडियन कपिल शो के एक एपिसोड में सुनील ग्रोवर ने कादर खान का रूप धारण किया। उनकी आवाज, हावभाव और अंदाज देखकर हर कोई हैरान रह गया। शो में इस एपिसोड में वरुण धवन और उनके पिता डेविड धवन मेहमान के रूप में पहुंचे थे। सुनील ग्रोवर की इस परफॉर्मेंस के क्लिप्स सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं और कई मशहूर हस्तियों ने उनकी तारीफ की है। अभिनेता गजराज राव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सुनील ग्रोवर जब किसी की मिमिक्री करते हैं तो लगता है मानो वही कलाकार मंच पर आ गया हो।वहीं कंटेंट क्रिएटर कुशा कपिला ने भी उनकी परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए कहा कि सुनील की मिमिक्री इतनी सटीक होती है कि वह सचमुच उसी इंसान जैसे लगने लगते हैं। संगीतकार सलीम मर्चेंट ने भी सुनील की प्रशंसा करते हुए इसे 'मास्टरपीस' बताया। इतनी तारीफ मिलने के बाद सुनील ग्रोवर ने भी सोशल मीडिया पर सभी का आभार जताया। उन्होंने खासतौर पर गजराज राव के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इतने प्यार और सम्मान के लिए वह बेहद आभारी हैं ।

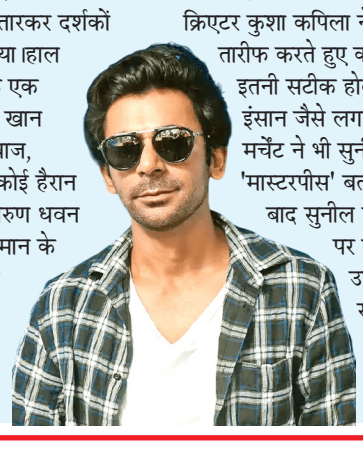

यो यो हनी सिंह के कॉन्सर्ट में भावुक हुई मां

मशहूर रैपर और सिंगर यो यो हनी सिंह के कॉन्सर्ट का एक भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अपने बेटे को स्टेज पर परफॉर्म करते देख उनकी मां भावुक हो गईं, जबकि हनी सिंह ने शनिवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में अपने 'माय स्टोरी–इंडिया चैप्टर' टूर की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने 'देसी कलाकार', 'ब्लू आइज', 'सनी सनी', 'लुंगी डांस' और 'ब्राउन रंग' जैसे अपने लोकप्रिय गानों पर शानदार परफॉर्मेंस दी।कॉन्सर्ट में हनी सिंह के माता-पिता भी मौजूद थे। उनकी मां भूपिंदर कौर बेटे की परफॉर्मेंस और दर्शकों की भारी भीड़ देखकर भावुक हो गईं। एक वायरल वीडियो में वह आंखों में आंसू लिए हाथ जोड़कर प्रार्थना करती नजर आ रही हैं। वहीं उनके पिता सरदार सरबजीत सिंह खुशी से झूमते और तालियां बजाते दिखाई दे रहे हैं। हनी सिंह का 'माय स्टोरी–इंडिया चैप्टर' टूर 14 मार्च को दिल्ली से शुरू हुआ है।

इसके बाद वह अहमदाबाद, मुंबई, पुणे, कोटा, इंदौर, लखनऊ और कोलकाता में भी परफॉर्म करेंगे। इस म्यूजिक टूर का समापन 16 मई को बेंगलुरु में होगा। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में हनी सिंह दिल्ली में एक कॉन्सर्ट के दौरान की गई विवादित टिप्पणी को लेकर भी चर्चा में रहे थे, जिसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर काफी

भूत बंगला का सीक्वल नहीं बनाएंगे प्रियदर्शन

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्मकार प्रियदर्शन ने किया है, जिन्होंने पहले भी कई सफल फिल्में बनाई हैं। खास बात यह है कि अक्षय कुमार और प्रियदर्शन हालांकि, प्रियदर्शन ने साफ कर दिया है कि वह इस फिल्म को फ्रेंचाइजी में बदलने की योजना नहीं बना रहे हैं। एक बातचीत में उन्होंने कहा कि उनका 'भूत बंगला' का सीक्वल बनाने का फिलहाल कोई इरादा नहीं है। हालांकि फिल्म की निर्माता एकता कपूर चाहें तो भविष्य में इसे फ्रेंचाइजी के रूप में आगे बढ़ा सकती हैं। फिल्म को एकता कपूर ने अपनी मां शोभा कपूर और अक्षय कुमार के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। 'भूत बंगला' पहले 15 मई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे पहले ही 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, तब्बू, परेश रावल और राजपाल यादव भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म में दिवंगत अभिनेता असरानी भी दिखाई देंगे। 20 अक्टूबर 2025 को उनके निधन के बाद यह फिल्म उनकी आखिरी फिल्मों में से एक मानी जा रही है, जिसमें दर्शक उन्हें एक बार फिर बड़े पर्दे पर देख पाएंगे। 'भूत बंगला' के अलावा अक्षय कुमार इन दिनों गोलमाल 5 को लेकर भी चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन रोहित शेट्टी कर रहे हैं, जिसमें अजय देवगन भी नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में अक्षय कुमार नकारात्मक भूमिका में दिखाई दे सकते हैं।

तीसरे सप्ताह में पहुंचा संघर्ष, दुनिया पर मंडराया खतरा

एजेंसी । ईरान

पश्चिम एशिया में जारी ईरान-अमेरिका-इजराइल युद्ध अब तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और हालात लगातार अधिक खतरनाक होते जा रहे हैं। फरवरी के अंत में शुरू हुआ यह संघर्ष अब केवल तीन देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे खाड़ी क्षेत्र को अपनी चपेट में लेता दिखाई दे रहा है। मिसाइल हमले, ड्रोन हमले, तेल ठिकानों पर बमबारी और समुद्री मार्गों पर खतरे के कारण यह युद्ध धीरे-धीरे वैश्विक संकट का रूप लेता जा रहा है।

अमेरिका-इजराइल के हमले तेज

पिछले कुछ दिनों में अमेरिका और इजराइल ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर बड़े हवाई हमले किए हैं। विशेष रूप से ईरान के खार्ग द्वीप पर स्थित महत्वपूर्ण तेल निर्यात केंद्र और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। बताया जा रहा है कि इन हमलों में कई सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचा है और तेल ढांचे को भी आंशिक क्षति हुई है।

हाल के हमलों में ईरान के इस्फहान, शिराज और तेहरान के आसपास कई विस्फोटों की खबरें सामने आई हैं। इन घटनाओं में कई लोगों के मारे जाने और घायल होने की भी सूचना है। अमेरिका की ओर से यह संकेत दिया गया है कि यदि ईरान हॉर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही को रोकने की कोशिश करता है, तो उसके तेल ढांचे और सैन्य प्रतिष्ठानों पर और बड़े हमले किए जा सकते हैं।

खाड़ी क्षेत्र में फैलता युद्ध

युद्ध अब धीरे-धीरे पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैलता दिखाई दे रहा है। संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह तेल बंदरगाह पर ड्रोन हमले के बाद वहां कुछ समय के लिए तेल लोडिंग रोकनी पड़ी। इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में चिंता बढ़ा दी है। ईरान ने दुबई, अबू धाबी और फुजैराह के बंदरगाहों को लेकर चेतावनी भी जारी की है। ईरान का दावा है कि इन क्षेत्रों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों का उपयोग उसके तेल ठिकानों पर हमले के लिए किया गया था। इससे खाड़ी देशों में चिंता बढ़ गई है क्योंकि वे इस युद्ध में सीधे शामिल नहीं होना चाहते थे, लेकिन अब उनके शहर और तेल ढांचे भी खतरे में आ गए हैं।

हॉर्मुज जलडमरूमध्य बना केंद्र

इस पूरे युद्ध का सबसे संवेदनशील बिंदु हॉर्मुज जलडमरूमध्य बन गया है। दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से गुजरती है। यदि यहां किसी प्रकार की रुकावट आती है तो इसका असर पूरी दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था पर पड़ सकता है। ईरान ने संकेत दिया है कि वह अमेरिका और इजराइल से जुड़े जहाजों को इस मार्ग से गुजरने नहीं देगा, जबकि अन्य देशों के जहाजों को अनुमति दी जा सकती है। इस कारण कई जहाज कंपनियां इस मार्ग से गुजरने से बच रही हैं और वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है।

ईरान की जवाबी कार्रवाई

अमेरिकी और इजराइली हमलों के जवाब में ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई तेज कर दी है। ईरानी सेना और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इजराइल और अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। खाड़ी क्षेत्र के कई देशों में हवाई हमले की चेतावनी के सायरन बजाए गए।

बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब ने कई मिसाइलों और ड्रोन को हवा में ही मार गिराने का दावा किया है। बताया जा रहा है कि ईरान ने सऊदी अरब में स्थित एक ऐसे एयरबेस को भी निशाना बनाया, जिसका उपयोग अमेरिकी सेना करती है। इसके अलावा बगदाद के पास स्थित अमेरिकी सैन्य परिसर पर भी ड्रोन हमला किया गया, हालांकि अधिकांश ड्रोन को समय रहते रोक दिया गया।

खाड़ी देशों में हमलों की श्रृंखला

युद्ध की शुरुआत के बाद से खाड़ी क्षेत्र के कई देशों में भी हमलों की खबरें आई हैं। सऊदी अरब की प्रमुख तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमला होने की खबर से वैश्विक बाजार में अचानक हलचल मच गई। ओमान के बंदरगाहों और तेल टैंकरों को भी निशाना बनाया गया, जिससे कुछ लोगों की मौत और कई के घायल होने की सूचना है।

वैश्विक संकट का खतरा

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह युद्ध इसी तरह फैलता रहा तो यह वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति के लिए बड़ा संकट बन सकता है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और तेल ठिकानों पर हमले दुनिया भर में महंगाई और ऊर्जा संकट को जन्म दे सकते हैं।

इस समय पूरी दुनिया की नजर पश्चिम एशिया पर टिकी हुई है। हर दिन नए हमले और जवाबी कार्रवाई इस बात का संकेत दे रहे हैं कि यह संघर्ष अभी जल्द खत्म होने वाला नहीं है। स्पष्ट है कि ईरान युद्ध अब केवल क्षेत्रीय टकराव नहीं रहा, बल्कि यह वैश्विक राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला बड़ा संकट बन चुका है। आने वाले दिनों में यह तय होगा कि क्या कूटनीति इस युद्ध को रोक पाएगी या फिर यह संघर्ष और बड़े युद्ध का रूप ले लेगा।

नागरिकों और यात्रा पर असर

युद्ध का असर आम नागरिकों पर भी तेजी से दिखाई देने लगा है। कई देशों ने अपने नागरिकों को मध्य-पूर्व से निकालना शुरू कर दिया है। कुछ देशों ने सैन्य विमानों की मदद से अपने नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। उधर कई एयरलाइनों ने दुबई और खाड़ी क्षेत्र की उड़ानें कम कर दी हैं या रद्द कर दी हैं। कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने भी अपने कर्मचारियों को अस्थायी रूप से सुरक्षित स्थानों पर भेजना शुरू कर दिया है। इससे अंतरराष्ट्रीय यात्रा और व्यापार दोनों प्रभावित हो रहे हैं। युद्ध को रोकने के लिए कई देशों ने मध्यस्थता की कोशिश की है, लेकिन अभी तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है। अमेरिका और इजराइल सैन्य दबाव बनाए रखने की नीति पर चल रहे हैं, जबकि ईरान लगातार जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दे रहा है।

एक्साइज पॉलिसी केस : केजरीवाल को हाईकोर्ट से झटका

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल की उस अर्जी को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) की याचिका को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच से दूसरी बेंच में स्थानांतरित करने की मांग की थी।

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि मामला मौजूदा रोस्टर के अनुसार जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को सौंपा गया है, इसलिए इसे ट्रांसफर करने का कोई आधार नहीं है।

दरअसल, 27 फरवरी को राउज एवेन्यू कोर्ट ने आबकारी नीति मामले में केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपियों को बरी कर दिया था। इस फैसले को CBI ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है, जिस पर अगली सुनवाई 23 मार्च को होगी।

UAE से निकला भारतीय तेल टैंकर

80,800 टन कच्चा तेल लेकर भारत की ओर रवाना

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच संयुक्त अरब अमीरात के फुजैरा बंदरगाह से भारतीय ध्वज वाला कच्चे तेल का टैंकर सुरक्षित रूप से भारत के लिए रवाना हो गया है। सरकार ने बताया कि तेल टर्मिनल पर हमले के बावजूद जहाज ने सफलतापूर्वक कच्चा तेल लोड किया और बिना किसी नुकसान के वहां से निकल गया।

सरकारी जानकारी के अनुसार जग लाडकी नाम का टैंकर करीब 80,800 टन मुर्बन कच्चा तेल लेकर फुजैरा से भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे रवाना हुआ। जहाज पर सवार सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। युद्ध प्रभावित क्षेत्र से सुरक्षित निकलने वाला यह चौथा भारतीय ध्वज वाला जहाज है।

हमले के बीच कर रहा था लोडिंग

सरकार के अनुसार 14 मार्च 2026 को जब यह टैंकर फुजैरा के सिंगल प्वाइंट मूरिंग पर कच्चा तेल लोड कर रहा था, उसी दौरान तेल टर्मिनल पर हमला हुआ था। इसके बावजूद जहाज सुरक्षित रूप से अपनी प्रक्रिया पूरी कर भारत की ओर रवाना हो गया।

होर्मुज जलडमरूमध्य में असर

क्षेत्र में जारी तनाव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिससे ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आयात करता है। इससे पहले भारतीय ध्वज वाले एलपीजी जहाज शिवालिक और नंदा देवी भी इस क्षेत्र को पार कर चुके हैं। इन जहाजों में कुल लगभग 92,712 टन एलपीजी लदा हुआ है !

न्यूज़ ब्रीफ

राहुल के बयान पर आकाश आनंद का पलटवार

भरतपुर। कांशीराम की जयंती के अवसर पर बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर तीखा पलटवार किया। राजस्थान के भरतपुर में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि अगर कांशीराम पंडित जवाहरलाल नेहरू के दौर में होते, तो वह खुद तय करते कि देश का प्रधानमंत्री कौन बनेगा। दरअसल, दो दिन पहले राहुल गांधी ने कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग करते हुए कहा था कि यदि वे नेहरू के दौर में होते तो कांग्रेस से मुख्यमंत्री बन सकते थे। इसी बयान का जवाब देते हुए आकाश आनंद ने कहा कि कांशीराम ऐसे नेता थे जिन्होंने समाज को जगाया और कई मुख्यमंत्री तथा प्रधानमंत्री बनवाए, लेकिन खुद कभी किसी पद का लालच नहीं किया। आकाश आनंद ने कहा कि कांशीराम ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के विचारों को घर-घर तक पहुंचाया और बहुजन समाज को संगठित किया। उन्होंने कहा कि कांशीराम केवल एक नेता नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की बड़ी ताकत थे। उन्होंने राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हकीकत यह है कि अगर कांशीराम नेहरू के समय में होते तो नेहरू को प्रधानमंत्री बनाने की ताकत उन्हीं के पास होती, न कि नेहरू कांशीराम को मुख्यमंत्री बनाते।

86 सीटों पर लड़ेगी CPM, धर्मदम से मैदान में पिनाराई विजयन

तिरुवनंतपुरम। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए 140 में से 86 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। इनमें 56 मौजूदा विधायकों को दोबारा टिकट दिया गया है, जबकि बाकी सीटें लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट के सहयोगी दलों को दी जाएंगी। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन इस बार भी कन्नूर जिले की धर्मदम सीट से चुनाव लड़ेंगे। वहीं पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के. के. शैलजा को पेरावूर सीट से मैदान में उतारा गया है।

दिल्ली में बनेगा 'सुपर मेडिकल हब'

GTB समेत तीन अस्पतालों का विलय, AIIMS जैसी सुविधाएं देने की तैयारी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार राजधानी की स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक और अधिक प्रभावी बनाने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार ने राजधानी के तीन प्रमुख सरकारी अस्पतालों—गुरु तेग बहादुर अस्पताल, दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट और राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल—को एकीकृत कर स्वायत्त संस्थान के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इस संस्थान को एम्स दिल्ली की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, ताकि मरीजों को एक ही परिसर में उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में इस योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह और वरिष्ठ अधिकारियों ने अस्पतालों के संसाधनों के बेहतर उपयोग, मरीजों पर बढ़ते दबाव और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विकास से जुड़े प्रस्तावों पर विचार किया। सरकार का मानना है कि संस्थानों के एकीकरण से डॉक्टरों, विशेषज्ञों, चिकित्सा उपकरणों और बुनियादी ढांचे का बेहतर उपयोग संभव होगा।

मरीजों के दबाव को कम करने की योजना

समीक्षा बैठक में बताया गया कि राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में 650 बेड की क्षमता होने के बावजूद करीब 250 बेड ही उपयोग में हैं, जबकि लगभग 400 बेड खाली पड़े हैं। दूसरी ओर गुरु तेग बहादुर अस्पताल और दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में मरीजों की संख्या क्षमता से अधिक है। जीटीबी अस्पताल में करीब 1400 बेड की क्षमता के मुकाबले 1500 से ज्यादा बेड उपयोग में हैं और यहां हर साल लगभग 14 लाख ओपीडी मरीज आते हैं।

सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं का होगा वितरण

योजना के तहत विभिन्न अस्पतालों में सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को व्यवस्थित किया जाएगा। राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में कार्डियोलॉजी, पल्मोनोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और यूरोलॉजी जैसी सेवाओं को मजबूत किया जाएगा।

हथियार-नशा तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़

6 आरोपी गिरफ्तार, पिस्तौल-कारतूस और 3.5 किलो हेरोइन बरामद

अमृतसर। कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से संचालित हथियार और नशा तस्करी के एक बड़े मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से छह आधुनिक पिस्तौल, 60 जिंदा कारतूस और 3.513 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार जब्त पिस्तौल PX 5.7×28 mm TISAS (टर्की सीरीज) की हैं, जो अत्याधुनिक और उच्च भेदन क्षमता वाली मानी जाती हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सीमा पार बैठे तस्करों और हैंडलरों के संपर्क में थे। जांच के दौरान आईएसआई से जुड़े एजेंट शहजाद भट्टी का नाम भी सामने आया है, जो भारत में हथियार

और नशा तस्करी का नेटवर्क संचालित कर रहा था। पुलिस के अनुसार इस नेटवर्क के जरिए अन्य खेपों की भी आपूर्ति की आशंका है, जिसकी जांच जारी है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान करण, गुरप्रीत उर्फ गोपी (खेमकरण निवासी), मख्खनदीन, राकेश उर्फ केशू, जमकौर सिंह और जसबीर उर्फ वीरा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि राकेश उर्फ केशू के खिलाफ पहले से चार आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह नशा व हथियार तस्करी के मामलों में शामिल रहा है। पुलिस फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल है तथा बरामद हेरोइन किसे भेजी जानी थी। पंजाब में सीमा पार से नशा तस्करी को लेकर पहले से ही लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं।